कोटद्वार, मंगलवार
27 मई 2025
वर्ष: 47
अंक: 35 पृष्ठ: 4
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

देहरादून की महिला से 30 लाख ठगे, दंपति समेत 3 पर दर्ज हुआ केस

देहरादून, लाख रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। आरोप है कि आरोपियों ने फाइनेंस कंपनी के पास गिरवी रखी गई दुकान को बेचने का सौदा किया और 30 लाख रुपये अग्रिम धनराशि लेने के बाद भी रजिस्ट्री नहीं कराई। पुलिस ने दंपति समेत तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। देहरादून निवासी बाबा विहार, नालापानी चौक, सहस्त्रधारा रोड, देहरादून निवासी प्रीति जोशी ने शिकायत में बताया कि उन्होंने मधु बंसल, निवासी नया हरिद्वार, से 21 अगस्त 2023 को मोती बाजार में स्थित लिबास स्टोर नाम की दुकान 35 लाख में खरीदने का एग्रिमेंट बनाया था। उन्होंने 30 लाख रुपये अग्रिम धनराशि के तौर पर दी थी, शेष पैसा रजिस्ट्री के दौरान देने की बात हुई थी।लेकिन रजिस्ट्री की तारीख आने पर मधु बंसल न तो रजिस्ट्री ऑफिस आईं और न ही प्रक्रिया पूरी की। बाद में पता चला कि दुकान पहले से ही फाइनेंस कंपनी के पास गिरवी थी और इस पर लोन चल रहा था। यह लोन मधु, उनके पति विजय बंसल और एक अन्य व्यक्ति गौरव बंसल के खातों में गया था। पुलिस ने तीनों के खिलाफ धोखाधड़ी, कूटरचित दस्तावेजों और विश्वासघात की धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है।

लोनिवि से हटाए गए मेट , बेलदारों ने दिया आंदोलन का अल्टीमेटम

देहरादून। लोक निर्माण विभाग में मेट, बेलदार के पदों से हटाए गए कर्मचारियों ने जेम पोर्टल या प्रयाग पोर्टल से आउटसोर्स तैनाती देने की मांग की है। ऐसा न होने पर उन्होंने चारधाम यात्रा मार्ग पर आंदोलन शुरू करते हुए चक्काजाम की चेतावनी दी है। आउटसोर्स मेट बेलदार कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष जयेंद्र सिंह और महामंत्री तेजपाल सिंह की ओर से सोमवार को मुख्य सचिव को ज्ञापन भेजा गया। जिसमें आरोप लगाया गया कि मुख्य सचिव के स्तर से कई बार आदेश होने के बावजूद आउटसोर्स मेट बेलदारों की बहाली नहीं हो पाई है। उन्होंने कहा कि इस संदर्भ में कई बार की बैठक और स्पष्ट आदेश होने के बाद भी लोनिवि के अधिशासी अभियंता मेट, बेलदारों को फिर से तैनाती नहीं दे रहे हैं। इस वजह से कर्मचारियों के सामने भुखमरी की स्थिति पैदा हो गई है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उनकी तैनाती को लेकर जल्द निर्णय नहीं लिया जाता और डिविजनों में कर्मचारियों को बहाल नहीं किया जाता तो वह चारधाम यात्रा मार्ग पर परिवार सहित आंदोलन के लिए विवश होंगे। उन्होंने कहा कि कर्मचारी जेम पोर्टल या प्रयाग पोर्टल के जरिए आउटसोर्स नियुक्ति की मांग कर रहे हैं और इस संदर्भ में जल्द निर्णय न होने पर उग्र आंदोलन शुरू किया जाएगा।

हरिद्वार से भाजपा विधायक आदेश चौहान को एक साल की सजा

देहरादून। उत्तराखंड के हरिद्वार जिले से भाजपा विधायक आदेश चौहान को सीबीआई कोर्ट द्वारा बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने उन्हें पुलिस कस्टडी में की गई मारपीट से जुड़े मामले में एक साल की सजा सुनाई है। विधायक पर अपनी भतीजी के पति को पुलिस हिरासत में मारने–पीटने का आरोप है, जिसे सही मानते हुए कोर्ट ने फैसला सुनाया है। विधायक के साथ तीन पुलिसकर्मियों को भी सजा सुनाई गई है।सीबीआई के स्पेशल मजिस्ट्रेट संदीप भंडारी की अदालत ने रिटायर प्रोफेसर को अवैध तौर से हिरासत में रखने, मारपीट व अन्य धाराओं में रानीपुर के भाजपा विधायक आदेश कुमार चौहान उनकी भतीजी दीपिका चौहान व पुलिस विभाग से सीओ रिटायर आरके चमोली, इंस्पेक्टर राजेन्द्र सिंह रौतेला व दिनेश कुमार को एक–एक साल की सजा सुनाई है। दरअसल यह पूरा मामला 2009 से शुरू हुआ। विधायक की भतीजी ने दीपिका ने अपने पति पर दहेज उत्पीड़न का आरोप लगाया। शिकायतकर्ता डीएस चौहान ने बताया कि मौजूदा विधायक आदेश चौहान की भतीजी दीपिका की शादी उनके बेटे मनीष से हुई थी। बेटे व बहु के बीच मनमुटाव हुआ तो मामला गंगनहर थाने पहुंचा। 11 जुलाई 2009 को शिकायकर्ता को पांच लाख रुपये लेकर थाने पहुंचने के लिए कहा गया। शिकायतकर्ता जब थाने पहुंचा तो वहां विधायक, उनकी भतीजी भी मौजूद थे।

मुझे पाकिस्तान से बहुत प्यार है ज्योति मल्होत्रा का वीडियो आया सामने

●14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया

हिसार ,पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा को हिसार की एक अदालत ने सोमवार को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। पुलिस रिमांड की अवधि पूरी होने के बाद ज्योति को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेजने का आदेश दिया गया। ज्योति मल्होत्रा को पुलिस ने नौ दिन की रिमांड पर लिया था, जो अब समाप्त हो चुकी है। इस दौरान पुलिस ने उससे गहन पूछताछ की और जासूसी से संबंधित महत्वपूर्ण सुराग जुटाने का प्रयास किया। इससे पहले भी पुलिस ने ज्योति को दो बार रिमांड पर लिया था। रिमांड के दौरान जांच एजेंसियों ने ज्योति से गहनता से पूछताछ की। ज्योति मल्होत्रा एक यूट्यूबर है और उसके खिलाफ 16 मई को सरकारी गोपनीयता अधिनियम और भारतीय दंड संहिता के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया गया। वह उन 12 लोगों में शामिल थी जिन्हें जासूसी के संदेह में पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया गया था। बताया गया कि वह पाकिस्तानी उच्चायोग के कर्मचारी एहसान–उर–रहीम उर्फ दानिश के संपर्क में थी। भारत ने कथित तौर पर जासूसी में लिप्त होने के कारण 13 मई को दानिश को देश से निष्कासित कर दिया था।राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए), खुफिया ब्यूरो और सैन्य खुफिया अधिकारियों ने भी मल्होत्रा से पूछताछ की है। जांच से पता चला है कि वह पाकिस्तान, चीन, बांग्लादेश, इंडोनेशिया और कुछ अन्य देशों में गई थी। पुलिस ने कहा था कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी मल्होत्रा को एक 'एसेट्स' के रूप में विकसित कर रही थी। यह भी बताया गया कि 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच चार दिवसीय सैन्य संघर्ष के दौरान वह दानिश के संपर्क में थी। जांच के दौरान पुलिस को ज्योति मल्होत्रा के लैपटॉप और मोबाइल से डिलीट की गई चैट मिली है। इससे पहले पुलिस ने उसके तीन मोबाइल फोन और एक लैपटॉप को फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा था। मल्होत्रा के बैंक खातों की भी जांच की जा रही है। हिसार के पुलिस अधीक्षक के आधिकारिक बयान के अनुसार, अब तक की जांच में ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है जिससे पता चले कि मल्होत्रा ने संवेदनशील रक्षा या रणनीतिक जानकारी हासिल की हो, न ही आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने या आतंकवादी संगठनों से उसके संबंधों का कोई संकेत मिला है।

यमुनोत्री धाम में मोबाइल नेटवर्क खराब

उत्तरकाशी। यमुनोत्री धाम में इन दोनों मोबाइल नेटवर्क खराब है। इस कारण देश–विदेश से आने वाली तीर्थयात्रियों एवं स्थानीय उपभोक्ताओं को खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने मोबाइल कंपनियों से आग्रह करते हुए नेटवर्क में सुधार करने की मांग की है। विश्व प्रसिद्ध यमुनोत्री धाम में स्थानीय उपभोक्ताओं एवं देश–विदेश से आने वाले तीर्थ यात्राओं की सुविधा के लिए भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) और जिओ कंपनी द्वारा अपने मोबाइल टावर लगाए हुए हैं। लेकिन, इन दोनों मोबाइल कंपनियों के कमजोर नेटवर्क के कारण उपभोक्ताओं को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय निवासी व सामाजिक कार्यकर्ता महावीर पंवार का कहना है कि यमुनोत्री धाम में कमजोर मोबाइल नेटवर्क के कारण न तो ठीक से फोन लगते हैं और यदि फोन लग गया तो आवाज ही नही आती है, साथ ही कमजोर नेटवर्क के कारण इंटरनेट डाटा भी ठीक से काम नही कर रहा है, जिससे फोटो या वीडियो आदि फाइलें ठीक से अपलोड नही हो पा रही हैं। वही यमुनोत्री धाम के अंतिम पड़ाव जानकी चट्टी में भी मोबाइल नेटवर्क का हाल कुछ ऐसा ही है। यहां विभिन्न प्रदेशों से आने वाले तीर्थ यात्रियों के साथ से यदि कोई व्यक्ति यमुनोत्री या पैदल मार्ग में खो जाते हैं तो, उनके परिजन उन्हें फोन लगाते हैं, जिसके बाद फोन उठाने पर दूसरी ओर से आवाज नही आती है और लोग मोबाइल पर हेलो–हेलो करते रह जाते हैं। क्षेत्र के लोगों ने यमुनोत्री एवं जानकीचट्टी क्षेत्र में काम करने वाली सभी दूरसंचार कंपनियों से निवेदन किया है कि वह नेटवर्क में हो रही इस तरह की तकनीकी दिक्कतों को दूर करें, ताकि देश विदेश से आने वाले तीर्थ यात्रायों तथा स्थानीय उपभोक्ताओं के अनुरूप इसका लाभ मिल सके।

रोटी खाओ वरना हमारी गोली तो है ही

पाकिस्तान को पीएम मोदी की बड़ी चेतावनी

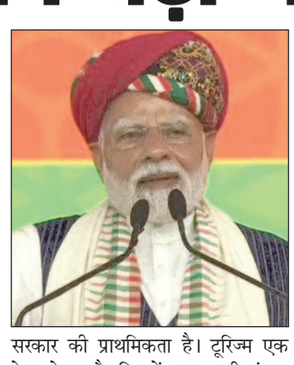

नई दिल्ली ,प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार गुजरात दौरे पर गए। इस दौरान पाकिस्तान को बड़ी चेतावनी भी दी। उन्होंने कहा, पाकिस्तान को आतंक की बीमारी से मुक्त करने के लिए पाकिस्तान की आवाम को आगे आना होगा। उनके युवाओं को आगे आना होगा। सुख चैन की जिंदगी जियो, रोटी खाओ वरना मेरी गोली तो है ही। उन्होंने कहा, हमारी नीति आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की है। ऑपरेशन सिंदूर ने इस नीति को और साफ कर दिया है। जो भी भारतीयों का खून बहाने की कोशिश करेगा, उसको उसकी भाषा में ही जवाब दिया जाएगा। भारत पर आंख उठाने वाले किसी भी कीमत पर बख्शे नहीं जाएंगे। ऑपरेशन सिंदूर मानवता की रक्षा और आतंकवाद के अंत का मिशन है। उन्होंने कहा, देश के नौजवानों को ज्यादा से ज्यादा रोजगार मिले, ये भाजपा सरकार की प्राथमिकता है। टूरिज्म एक ऐसा सेक्टर है, जिसमें बहुत बड़ी संख्या में रोजगार है। कच्छ में इतिहास भी है, संस्कृति भी है और प्रकृति भी है। आने वाले समय में यहां के पर्यटन में और विस्तार होगा। भारत टूरिज्म पर विश्वास करता है, टूरिज्म लोगों को जोड़ता है। लेकिन पाकिस्तान जैसा देश भी है, जो टेररिज्म को ही टूरिज्म मानता है और ये दुनिया के लिए बहुत बड़ा खतरा है। पीएम मोदी ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा, पहलगाम हमले के बाद, मैंने 15 दिन तक इस उम्मीद में इंतजार किया कि पाकिस्तान आतंकवाद पर कार्रवाई करेगा, लेकिन ऐसा लगता है कि यह उनकी रोजी–रोटी है। नौ मई की रात को जब पाकिस्तान ने नागरिकों पर हमला करने की कोशिश की, तो हमारी सेना ने दोगुनी ताकत से हमला किया और उनके हवाई ठिकानों को तबाह कर दिया। पीएम मोदी ने कहा, हमारी जवाबी कार्रवाई इतनी जोरदार थी कि उनके एयरबेस अभी भी आईसीयू में हैं। यह हमारी सेना की वीरता और बहादुरी थी कि पाकिस्तान ने सफेद झंडा लहराया। हमने उन्हें पहले ही बता दिया था, हमारा लक्ष्य आपका आतंकी ढांचा था; आपको बस चुप रहना था। अब जब आपने गलती की है, तो आपको इसके परिणाम भुगतने पड़े।

चुनाव आयोग की पहल पर उत्तराखण्ड के 70 बीएलओ का दिल्ली में प्रशिक्षण जारी

●उत्तराखण्ड सहित चार राज्यों के चुनाव अधिकारियों को दिया जा रहा प्रशिक्षण● तीन जिला निर्वाचन अधिकारियों, सहित 12 ईआरओ को भी दिया जा रहा प्रशिक्षण

देहरादून। भारत निर्वाचन आयोग की पहल पर बूथ स्तर के चुनाव अधिकारियों के प्रशिक्षण के क्रम में उत्तराखण्ड के तीन जिला निर्वाचन अधिकारी, 12 ईआरओ और 70 बीएओ/बीएलओ सुपरवाइजर का दिल्ली स्थित भारत अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र एव निर्वाचन प्रबंधन संस्थान (आईआई आईडीईएम) में दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारम्भ हो गया है। देश के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने सोमवार को इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में सभी 353 प्रतिभागियों को संबोधित किया। उत्तराखण्ड के साथ हिमाचल, राजस्थान और उत्तरप्रदेश के फील्ड लेवल के चुनाव अधिकारियों का प्रशिक्षण चल रहा है। पिछले दो माह में आयोग द्वारा नई दिल्ली में 3,350 से अधिक बीएलओ स्तर के अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया है। उत्तराखण्ड से जिला निर्वाचन अधिकारी ऊधमसिंह नगर, जिला निर्वाचन अधिकारी चम्पावत एवं जिला निर्वाचन अधिकारी बागेश्वर इस प्रशिक्षण में प्रतिभाग कर रहे हैं। इसके अलावा जनपद उत्तरकाशी, टिहरी,चमोली, पौड़ी, उत्तरकाशी, देहरादून, हरिद्वार, पिथौरागढ़, चम्पावत, बागेश्वर, अल्मोड़ा, नैनीताल और ऊधमसिंह नगर के एसडीएम स्तर के 12 ईआरओ एवं प्रदेश की सभी 70 विधानसभा से नामित 70 बीएओ/बीएलओ सुपरवाइजर हिस्सा ले रहे हैं। इस दो दिवसीय प्रशिक्षण का मंगलवार को समापन होगा। अपने उद्घाटन भाषण में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है कि चुनाव लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950, निर्वाचक पंजीकरण नियम 1960, चुनाव संचालन नियम, 1961 और समय–समय पर ईसीआई द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार सख्ती से आयोजित किए जाएं। मुख्य चुनाव आयुक्त ने यह भी कहा कि प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभागी आरपी अधिनियम 1950 की धारा 24 (ए) के तहत डीएम/जिला कलेक्टर/कार्यकारी मजिस्ट्रेट और धारा 24 (बी) के तहत राज्य/केंद्र शासित प्रदेश के मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) के पास प्रकाशित अंतिम मतदाता सूची के खिलाफ प्रथम और द्वितीय अपील के प्रावधानों से खुद को परिचित करेंगे। उन्होंने बीएलओ और बीएलओ सुपरवाइजर को अपने संवाद के दौरान मतदाताओं को इन प्रावधानों से अवगत कराने के लिए भी प्रोत्साहित किया।

दो हजार घूस लेता पटवारी रंगेहाथ गिरफ्तार

विकासनगर। विजिलेंस टीम ने कालसी में तैनात पटवारी को दो हजार रुपये घूस लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। पटवारी शिकायतकर्ता के चचेरे भाइयों के मूल निवासी और जाति प्रमाण बनाने के लिए घूस ले रहा था। टीम के पहुंचते ही पटवारी ने घूस की रकम निगलने की कोशिश की। विजिलेंस टीम ने आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा किया है। आरोपी से पूछताछ की जा रही है। निदेशक सतर्कता डॉ. वी मुरुगेशन ने बताया कि शिकायतकर्ता ने शिकायत दर्ज कराई थी। बताया कि उसके चचेरे भाइयों ने मूल निवास प्रमाण पत्र और जाति प्रमाण पत्र बनाने के लिए ऑनलाइन आवेदन किया था। चेक करने पर आवेदन निरस्त पाए गए। बताया कि शिकायतकर्ता ने जब इस संबंध में कालसी तहसील में तैनात पटवारी गुलशन हैदर से फोन पर संपर्क किया तो पटवारी ने उन्हें फोटो आईडी और दो हजार रुपये लेकर सोमवार को तहसील कार्यालय में बुलाया था। बताया कि शिकायतकर्ता रिश्वत नहीं देना चाहता था। बताया कि शिकायत पर विजिलेंस सेक्टर देहरादून की ट्रैप टीम ने नियमानुसार कार्रवाई करते हुए सोमवार को पटवारी, गुलशन हैदर तहसील कालसी को तहसील कालसी के प्राइवेट कमरे से दो हजार रुपये रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार कर लिया। बताया जा रहा है कि ट्रैप टीम के पहुंचने पर आरोपी ने रिश्वत की रकम निगलने की कोशिश की।

पति ने गला घोंटकर की थी हत्या, डीजल से जलाया था शव

रुद्रपुर। चारूखेटा के जंगल में मिली महिला की अधजली लाश के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने महिला की हत्या के आरोप में उसके पति को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पति ने पहले महिला की गला दबाकर हत्या की और उसके बाद डीजल से उसके शव को आग लगा दी। हत्याकांड को अंजाम देने का कारण उसने पत्नी पर शक होना बताया। जबकि पुलिस की जांच में आरोपी पति के ही किसी अन्य महिला से संबंध होना पाए गए हैं। इसका विरोध करना ही महिला की हत्या का कारण बना। बीते शनिवार को घर से करीब 400 मीटर दूर जंगल में 34 वर्षीय अनीता पत्नी सुरेश निवासी नई बस्ती चारूखेटा खटीमा का 90 प्रतिशत जला हुआ शव मिला था। मृतका के भाई रमानंद प्रसाद निवासी वार्ड संख्या छह नानकमत्ता ने अपने बहनोई पर ही बहन की हत्या का आरोप लगा मुकदमा दर्ज कराया था। कोतवाल मनोहर सिंह दसौनी ने बताया कि पुलिस ने हत्यारोपी सुरेश के खिलाफ तमाम साक्ष्य जुटाते हुए रविवार रात आठ बजे उसे मुंडेली चौराहे से गिरफ्तार कर लिया। सख्ती से पूछताछ करने पर उसने बताया कि उसे अपनी पत्नी अनीता का किसी और से फोन पर लंबी बात करना नागवार गुजरा। जबकि किसी अन्य महिला के साथ पति के प्रेम प्रसंग की जानकारी अनीता को हो गई थी। इसका उसने विरोध किया था। इसके चलते सुरेश ने पत्नी को रास्ते से हटाने की ठान ली। वह 23 मई को दिन में अल्मोड़ा से बस से हल्द्वानी होते हुए रात में खटीमा पहुंचा। रात 10 बजे घर के पीछे जंगलों में छुप गया। मौका देखकर रात में अपनी पत्नी को आवाज देकर दरवाजा खुलवाया और एक घंटे घर में रहकर उसको बहला–फुसला कर पीछे जंगल में घुमाने ले गया। जहां मौका देखकर उसका गला घोंट दिया और घर में आग जलाने के लिए रखे डीजल से उसके शव को जला दिया।

फिर आंदोलन की तैयारी में राज्य के अतिथि शिक्षक

– आगामी चार जून को माध्यमिक अतिथि शिक्षक संघ का प्रांतीय अधिवेशन बुला

देहरादून। मानदेय बढोत्तरी, पद सुरक्षित करने समेत विभिन्न मांगों को लेकर राज्य के सरकारी माध्यमिक स्कूलों में तैनात चार हजार से ज्यादा अतिथि शिक्षकों ने आंदोलन के लिए बांहे चढ़ाना शुरू कर दिया। आगामी चार जून को माध्यमिक अतिथि शिक्षक संघ का प्रांतीय अधिवेशन बुला लिया गया है। सोमवार को संघ के प्रांतीय कार्यकारी अध्यक्ष आशीष जोशी ने कहा कि प्रांतीय अधिवेशन में आंदोलन की रणनीति को तय किया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि अतिथि शिक्षक वर्ष 2015 से दुर्गम क्षेत्र के स्कूलों में प्रतिकूल हालात और अल्प मानदेय में काम कर रहे हैं। सरकार कई बार समस्याओं का समाधान करने का वादा कर चुकी है, लेकिन कार्यवाही नहीं हो रही है। अब अतिथि शिक्षक कोरे आश्वासनों को नहीं मानेंगे। चार जून के अधिवेशन में संघ अपनी आगे की रणनीति की घोषणा करेगा। वर्तमान में प्रदेश के माध्यमिक स्कूलों में प्रवक्ता और एलटी कैडर के पदों पर चार हजार से ज्यादा अतिथि शिक्षक काम कर रहे हैं। अधिकांश अतिथि शिक्षक दुर्गम और अतिदुर्गम क्षेत्रों में कार्यरत है। पिछले कई साल से अतिथि शिक्षक लगातार सरकार से उनके नियमितीकरण, पद सुरक्षित रखने के लिए नीति बनाने की मांग कर रहे हैं। इसके साथ ही वो अपने 25 हजार रुपये के मानदेय को बढ़ाने की मांग भी करते आ रहे हैं। वर्ष 2023 और वर्ष 2024 आंदोलन के बाद शिक्षा मंत्री, शिक्षा सचिव, महानिदेशक और निदेशक स्तर हुई वार्ताओं में उनकी मांगों पर कार्यवाही का आश्वासन दिया गया था। लेकिन अब तक एक भी मांग पर अमल नहीं हुआ।

भारत में कोविड–19 के एक्टिव मरीजों की संख्या 1000 के पार, केरल में 430 मामले आए सामने

नई दिल्ली , देश में कोविड19 के एक्टिव केसों की संख्या 1000 पार कर गई है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में फिर से कोरोना वायरस के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। राजधानी में पिछले एक सप्ताह में कोरोना के 99 मामले आए हैं। इस दौरान 24 मरीज ठीक हुए हैं और अभी 104 सक्रिय मरीज हैं। इसमें केरल राज्य में सबसे ज्यादा मरीजों की संख्या 430 है। केरल से लेकर कर्नाटक तक और महाराष्ट्र से लेकर दिल्ली तक कोरोना के नए आंकड़े अब डराने लगे हैं। देश में एक बार फिर कोविड–19 के मामलों में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी लेटेस्ट डेटा के अनुसार, भारत में इस समय कुल 1009 सक्रिय कोविड–19 मामले हैं। साल में यह पहली बार है, जब देश में कोरोना के केस 1000 पार हुए हैं। स्वस्थ्य मंत्रालय के डेटा के मुताबिक, भारत में 1009 एक्टिव मामलों में से 752 मामले हाल ही में सामने आए हैं। यह इस बात की ओर इशारा करता है कि कोरोना वायरस अब धीरे–धीरे मजबूती से अपना पैर पसार रहा है। यह कोरोना अभी भी पूरी तरह समाप्त नही हुआ है। इससे बचने के लिए लोगों को संभल कर रहने की जरूरत है। कोरोना के मामलों ने तो सबसे अधिक दिल्ली में सरप्राइज किया है।

चलती कार में बारातियों का हुड़दंग , पुलिस का जोरदार एक्शन

– बारातियों का स्टंटबाजी का वीडियो सोशल मीडिया में जमकर वायरल

देहरादून। ब्यूटी पार्लर आने के बाद दुल्हन पूरी तरह से तैयार थी तो दूसरी ओर, दूल्हा भी बारात लेकर चलने को तैयार था। चारों ओर शादी की खुशियों का माहौल बना हुआ था। लेकिन, इसी के बीच बारातियों की इस हरकत के बाद पुलिस ने जोरदार ऐक्शन लिया। देहरादून पुलिस के सख्त ऐक्शन लेकर पांच लड़कों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की है। बारातियों का स्टंटबाजी का वीडियो सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, देहरादून में सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था। जिसमें कुछ लड़कों द्वारा चलती कारों की छत पर बैठे थे। जबकि, लड़के कारों की खिड़कियों से बाहर निकलक हुड़दंग कर रहे थे। शादी में जा रहे यह लड़के बाइर पर भी खड़े होकर स्टंट कर रहे थे। बारातियों का कारों और बाइकों के साथ स्टंटबाजी का वीडियो सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रहा था। पुलिस की प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई कि बारातियों ने यह वीडियो देहरादून के शिमला बाईपास इलाके में बनाया था। पटेलनगर कोतवाली पुलिस ने गाड़ियों की पहचान कर सख्त ऐक्शन लिया। पुलिस ने तीन तीन लग्जरी कारों और दो बाइकों को सीज किया। इसके आलवा, गाड़ियों के ड्राइवरों को हिरासत में लेकर पुलिस एक्ट में कार्रवाई की गई।

पुलिस ने शादाब शफी निवासी परवल शिमला बाईपास रोड, विनय चमोली निवासी नयागांव, साहिल खान निवासी परवल शिमला बायपास रोड, फुरकान निवासी नयागांव परवल शिमला बाईपास रोड और इकराम निवासी परवल शिमला बायपास के खिलाफ चालानी कार्रवाई की देहरादून एसएसपी अजय सिंह ने बताया कि सोशल मीडिया पर वायरल होने के लिए लड़के–लड़कियां अकसर ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करते हैं।

चेताया कि ट्रैफिक नियमों को उल्लंघन किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मुंबई में बारिश ने तोड़ा सदी का रिकॉर्ड: मेट्रो स्टेशन पानी से लबालब, 250 से ज्यादा उड़ानें प्रभावित

मुंबई। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में मानसून समय से 16 दिन पहले पहुंचने के साथ मई में सर्वाधिक बारिश का 107 वर्ष का रिकॉर्ड टूट गया। भारी बारिश से मध्य रेलवे की हार्बर लाइन पर लोकल ट्रेन सेवाएं बाधित रहीं और कई इलाकों में सड़कों पर पानी भरने से हजारों लोग जहां–तहां फंसे रहे। वर्ली में नवनिर्मित भूमिगत मेट्रो स्टेशन पर पानी भर जाने से एक्वा लाइन पर सेवाएं बंद करनी पड़ीं। 250 से ज्यादा उड़ानें प्रभावित होने की भी सूचना है। मुंबई के अलावा ठाणे, पालघर, रायगढ़ और रत्नागिरी जिलों में भी बारिश ने खासी तबाही मचाई।

पानी–पानी हुई मुंबई मेट्रो

मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (एमएमआरसी) को भूमिगत आचार्य अत्रे चौक स्टेशन पर पानी भरने की सूचना मिलने के बाद परिचालन स्थगित करना पड़ा। मेट्रो स्टेशन के अंदर जलभराव से 33 किलोमीटर लंबे कोलाबा–बीकेसी–आरे जेवीएलआर भूमिगत मेट्रो कॉरिडोर पर भूमिगत मेट्रो स्टेशन के निर्माण की गुणवत्ता एवं मानसून की तैयारियों को लेकर चिंताएं पैदा हो गई हैं। एमएमआरसी ने एक बयान में कहा, आज अचानक और तीव्र बारिश के कारण, डॉ. एनी बेसेंट रोड पर आचार्य अत्रे चौक स्टेशन के निर्माणाधीन प्रवेश/निकास ढांचे में पानी का रिसाव हुआ। यह घटना तब हुई जब प्रवेश/निकास पर निर्मित आरसीसी जल–अवरोधक दीवार पास से अचानक पानी के प्रवेश के कारण ढह गई। इसने कहा कि एहतियाती उपाय के तौर पर तथा यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए वर्ली और आचार्य अत्रे चौक के बीच ट्रेन सेवाएं अस्थायी रूप से निलंबित कर दी गई हैं। हालांकि, आरे जेवीएलआर से वर्ली तक की सेवाएं प्रभावित नहीं हैं और नियमित रूप से जारी हैं।

एमएमआरसी ने नौ मई को बांद्रा–कुर्ला कॉम्प्लेक्स और आचार्य अत्रे चौक स्टेशनों के बीच भूमिगत मेट्रो सेवाओं का विस्तार किया था।

सौरव गांगुली के भाई के साथ हुआ बड़ा हादसा

नई दिल्ली ,पूर्व क्रिकेटर सौरव गांगुली के भाई स्नेहाशीष गांगुली और उनकी पत्नी अर्पिता एक बड़े हादसे में बाल–बाल बच गए। जानकारी के अनुसार उनकी स्पीडबोट समुद्र में पलट गई। पुरी 'बीचज़ पर वाटर स्पोर्ट्स एक्टिविटी के दौरान ये हादसा हुआ। इस हादसे का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें नजर आ रहा है कि स्पीडबोट समुद्र में उलटी पड़ी है, जबकि लाइफगार्ड सभी पर्यटकों को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। अधिकारियों ने उन्हें बचाने के लिए रबर फ्लोट का इस्तेमाल किया। इस दौरान अर्पिता समेत सभी काफी डरे हुए थे। सौरव गांगुली के भाई की पत्नी अर्पिता ने आरोप लगाया कि यात्रियों की कम क्षमता होने के कारण ये नाव हल्की थी, और इस वजह से यह पलट गई।

हालात सामान्य होने के बाद बढ़ी चारधाम यात्रियों की संख्या: महाराज

देहरादून। चार धाम यात्रा को लेकर पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि हालात सामान्य होने के बाद श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने लगी है। तेजी से बढ़ते पंजीकरण के कारण कुल पंजीकरण का आंकड़ा 34 लाख के पार पहुंच गया है। जीएमवीएन के पर्यटक आवास गृहों की बुकिंग तक 14 करोड़ से अधिक पहुंच गई है। महाराज ने कहा कि चार धाम यात्रा सुव्यवस्थित एवं सुचारू रूप से चल रही है। देश विदेश के कोने कोने से श्रद्धालु चारधाम यात्रा को पहुंच रहे हैं। इसके साथ ही प्रदेश के अन्य पर्यटन स्थलों में भी पर्यटकों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। महाराज ने बताया कि भारत–पाक संघर्ष विराम के बाद अब हालात धीरे धीरे सामान्य हो रहे हैं। यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं जबरदस्त उत्साह है। चारधाम यात्रा को लेकर लोगों ने अपनी बुकिंग करवानी शुरू कर दी है। कहा कि बुकिंग शुरू होने से टूर एवं ट्रेवल्स इंडस्ट्री से जुड़े लोगों और स्थानीय व्यापारियों को भी राहत मिली है। चारधाम एवं हेमकुण्ड साहिब को अभी तक कुल 34 लाख के लगभग श्रद्धालु अपना ऑफलाइन एवं आनलाइन पंजीकरण करवा चुके हैं।

सम्पादकीय

भ्रष्टाचार में डूबे विभाग

उत्तराखंड के विभिन्न विभागों में रिश्वतखोरी का क्रम थमता हुआ नजर नहीं आ रहा है। खास तौर से ऐसे विभाग जिनके संपर्क सीधे जन समस्याओं एवं जनता से जुड़े कार्यों की है वहां पर रिश्वतखोरी के सबसे अधिक मामले उजागर हो रहे हैं। हाल ही में देहरादून पुलिस के एक दरोगा को दो लाख की रिश्वत के साथ विजिलेंस की टीम ने गिरफ्तार किया था तो इस घटना ने पूरे पुलिस तंत्र को हिला कर रख दिया था। चौकी स्तर पर यदि दो लाख की रिश्वत का खेल चल सकता है तो आसानी से इस बात की कल्पना की जा सकती है कि थाना स्तर और इससे ऊपर रिश्वतखोरी किस पैमाने पर होगी? हालांकि रिश्वतखोर दरोगा के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए उसे जेल भेजने के बाद निलंबित भी किया गया लेकिन घटना यह बताने के लिए काफी है की महज़ कानून की धाराएं दर्ज करने के नाम पर भ्रष्टाचार का कितना बड़ा खेल पुलिस विभाग में चल रहा है। इधर अब एक और मामला पटवारी से जुड़ा हुआ है जिसमें दो हजार की रिश्वत लेते हुए उसे रंगे हाथों पकड़ा गया। कालसी क्षेत्र से सामने आए इस मामले में पटवारी 2000 के नोट ही निगल गया जिसका बाद में अल्ट्रासाउंड कराया गया। उत्तराखंड में भले ही रिश्वतखोरी के मामले सामने आ रहे हैं लेकिन यह एक तरह से सरकार के काम करने के तरीके को भी उजागर करता है जिसमें "जीरो टॉलरेंस नीति" के तहत अब भ्रष्टाचारी और कर्मचारियों पर नकेल कसी जा रही है। हालांकि इसके लिए सबसे महत्वपूर्ण शिकायतकर्ता का सामने आना है और अमूमन अधिकांश मामलों में शिकायतकर्ता ही रिश्वत देकर अपना काम करने के पक्षधर नजर आते हैं। आवेदनकर्ताओं कि यही मनोवृति रिश्वतखोरी को भी बढ़ावा दे रही है लेकिन यह भी एक सत्य है कि शिकायत करने वाले को बाद में इस विभाग में अपना कार्य कराने के लिए एड़ियां तक रगड़नी पड़ जाती है। राज्य सरकार के मंसूबे साफ है प्रदेश में एक पारदर्शी राजकीय व्यवस्था कायम हो लेकिन कुछ कर्मचारियों का स्वार्थ सरकार की इस नीति को धरातल पर ले जा रहा है। वैसे भी रिश्वतखोरी का रोग जब एक बार जेब गर्म करने लगता है तो फिर रिश्वत लेने वाला भ्रम पाल बैठता है कि वह कभी पकड़ में ही नहीं आएगा। उत्तराखंड में पिछले कुछ वर्षों में कई ऐसे बड़े नाम रिश्वतखोरी के आरोप में जेल भेजे गए हैं जिनके कंधों पर आमजन से जुड़ी समस्याओं के निराकरण की जिम्मेदारी थी, लेकिन अपनी इसी जिम्मेदारी को उन्होंने अपनी स्वार्थ पूर्ति का कर रहा था। मामला चाहे तहसील का हो या पुलिस विभाग का या फिर दूसरे विभाग, ऐसी घटनाएं यह बताने के लिए काफी है कि विभागों के अंदर जन समस्याओं के निराकरण की आड़ में किस प्रकार से शिकायत कर्ताओं/ आवेदनकर्ताओं के जायज कामों को भी जबरन अटकाया जाता है। राज्य सरकार को अभी "गुड गवर्नेंस" स्थापित करने के लिए और अधिक कड़ी मेहनत की जरूरत है क्योंकि भ्रष्टाचार का यह रोग विभागों में इस प्रकार से अंदर घुसा हुआ है कि उसे बाहर निकालना चुनौतियों भरा खेल है। सरकार के मंसूबे सार्थक हैं लिहाजा यह उम्मीद की जा सकती है कि आने वाले दिनों में भ्रष्टाचार के मामलों में कमी आएगी और सरकार न केवल शिकायतों पर बल्कि अपने स्तर पर भी भ्रष्टाचार कर्मचारियों को बेनकाब करेगी।

ऑपरेशन सिंदूर भारत की बदलती रणनीति का हिस्सा

विनीत नारायण

भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव का इतिहास लंबा और जटिल रहा है। दोनों देशों के बीच कश्मीर को लेकर दशकों से चला आ रहा विवाद समय-समय पर हिंसक संघर्ष का कारण बनता रहा है।

अप्रैल, 2025 में पहलगाम में आतंकी हमले के बाद दोनों देशों के बीच तनाव एक बार फिर चरम पर पहुंच गया। इस हमले में 26 पर्यटकों की जान गई जिसके लिए भारत ने पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया। इसके जवाब में 'ऑपरेशन सिंदूर किया जिसमें पाकिस्तान और पाकिस्तान प्रशासित कश्मीर में आतंकी ठिकानों पर हवाई हमले किए गए। इस संदर्भ में अमेरिका के जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय में युद्ध मामलों की विशेषज्ञ प्रो. क्रिस्टीन फेयर ने एक टीवी साक्षात्कार में संघर्ष के कारणों, परिणामों और भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा की।

प्रो. फेयर ने बताया कि पाकिस्तान की सेना और उसका खुफिया तंत्र लंबे समय से आतंकी संगठनों जैसे लश्कर-ए-तैयबा आदि को समर्थन देता रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ये संगठन न केवल कश्मीर में सक्रिय हैं, बल्कि पाकिस्तान के आंतरिक सुरक्षा परिदृश्य में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनके अनुसार, पाकिस्तानी सेना इन संगठनों को 'रणनीतिक संपत्तिइ के रूप में देखती है, जो भारत के खिलाफ छद्म युद्ध छेड़ने में उपयोगी हैं। पहलगाम हमले के जवाब में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया जिसमें भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान में नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया।

इस ऑपरेशन को भारत ने अपनी आत्मरक्षा का अधिकार बताया जबकि पाकिस्तान ने अपनी संप्रभुता पर हमला करार दिया। प्रो. फेयर ने इस ऑपरेशन को भारत की बदलती रणनीति का हिस्सा बताया। कहा कि भारत अब पहले की तरह केवल कूटनीतिक जवाब तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सैन्य कार्रवाई के जरिए आतंकवाद के खिलाफ कड़ा संदेश भी देना जानता है। हालांकि, उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि ऑपरेशन सिंदूर जैसे कदम आतंकवाद को पूरी तरह खत्म नहीं कर सकते क्योंकि पाकिस्तान की सेना के लिए भारत के खिलाफ संघर्ष 'अस्तित्वगतइ है। यह उनके वजूद का सवाल है।

भारत का डर दिखा-दिखा कर ही पाकिस्तान अनेक देशों से आर्थिक मदद मांगता रहा है। प्रो. फेयर ने पाकिस्तानी सेना की भारत के प्रति कार्यशैली पर किताब भी लिखी है। इस साक्षात्कार में उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पाकिस्तान की सेना अपने देश की नीति-निर्माण प्रक्रिया में अहम भूमिका निभाती है। कहा कि पाकिस्तानी सेना भारत को अपने अस्तित्व के लिए सबसे बड़ा खतरा मानती है, और इस धारणा को बनाए रखने के लिए आतंकी संगठनों का इस्तेमाल करती है। प्रो. फेयर के अनुसार, उनकी यह नीति न केवल भारत के लिए खतरा है, बल्कि पाकिस्तान के आंतरिक स्थायित्व को भी कमजोर करती है। उन्होंने यह भी बताया कि पाकिस्तानी सेना के लिए कश्मीर विवाद केवल एक क्षेत्रीय मुद्दा भर नहीं है, बल्कि उनकी वैचारिक और रणनीतिक पहचान का भी हिस्सा है।

प्रो. फेयर ने कहा कि पाकिस्तान की सेना तब तक आतंकवाद को समर्थन देती रहेगी, जब तक कि उसे भारत के खिलाफ अपनी स्थिति मजबूत करने का मौका मिलता रहेगा। भारत की हालिया सैन्य कार्रवाइयों जैसे 'ऑपरेशन सिंदूरइ ने पाकिस्तान को कड़ा संदेश दिया है कि भारत अब पहले की तरह निष्क्रिय नहीं रहेगा। साक्षात्कार में प्रोफेसर फेयर ने भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोवाल की रणनीति की भी चर्चा की। उन्होंने डोवाल को ऐसे रणनीतिकार के रूप में वर्णित किया जो भारत की सुरक्षा नीति को आक्रामक और सक्रिय दिशा में ले जा रहे हैं। प्रो. फेयर ने कहा कि डोवाल की 'सक्रिय रक्षाइ की नीति ने भारत को पाकिस्तान के खिलाफ अधिक प्रभावी बनाया है।

ऑपरेशन सिंदूर इस नीति का उदाहरण है, जिसमें भारत ने न केवल आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया, बल्कि पाकिस्तान को कूटनीतिक और सैन्य रूप से भी जवाब दिया। हालांकि, प्रो. फेयर ने यह भी चेतावनी दी कि आक्रामकता के भी जोखिम हैं। उन्होंने कहा कि भारत और पाकिस्तान, दोनों ही परमाणु शक्ति संपन्न देश हैं, और किसी भी सैन्य टकराव का बढ़ना दक्षिण एशिया में व्यापक विनाश का कारण बन सकता है। उनके अनुसार, भारत को अपनी रणनीति में संतुलन बनाए रखना होगा ताकि वह आतंकवाद के खिलाफ कड़ा रुख अपना सके लेकिन साथ ही स्थिति को पूर्ण युद्ध की ओर बढ़ने से भी रोक सके।10 मई, 2025 को भारत और पाकिस्तान ने युद्धविराम की घोषणा की, जिसे अमेरिका की मध्यस्थता से संभव माना गया। हालांकि, भारत ने इसे 'द्विपक्षीय समझौताइ बताया और अमेरिकी हस्तक्षेप को कमतर करने की कोशिश की। प्रो. फेयर ने इस युद्धविराम को अस्थायी करार दिया। उन्होंने कहा कि जब तक पाकिस्तानी सेना अपनी नीतियों में बदलाव नहीं करती, तब तक इस तरह के तनाव बार-बार सामने आएंगे। उन्होंने यह भी भविष्यवाणी की कि पाकिस्तान भविष्य में फिर से भारत के खिलाफ आतंकी हमले कर सकता है क्योंकि यह उसकी रणनीति का हिस्सा है। प्रो. फेयर के अनुसार अंतरराष्ट्रीय समुदाय विशेष रूप से अमेरिका इस क्षेत्र में शांति बनाए रखने के लिए महती भूमिका निभा सकता है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका की मध्यस्थता हमेशा दोनों देशों को स्वीकार्य नहीं होती खासकर भारत के लिए जो कश्मीर को अपना आंतरिक मामला मानता है।

प्रो. क्रिस्टीन फेयर का टीवी साक्षात्कार भारत-पाकिस्तान संघर्ष की जटिलताओं को समझने के लिए महत्त्वपूर्ण दस्तावेज है। उनके विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि यह संघर्ष केवल दो देशों के बीच का विवाद नहीं है, बल्कि इसके गहरे ऐतिहासिक, वैचारिक और रणनीतिक आयाम हैं। पाकिस्तानी सेना की आतंकवाद समर्थक नीतियां और भारत की आक्रामक जवाबी रणनीति इस क्षेत्र में स्थायी शांति की राह में बड़ी बाधाएं हैं। हालांकि, प्रो. फेयर का यह भी मानना है कि दोनों देशों के बीच संवाद और कूटनीति के रास्ते पूरी तरह बंद नहीं हुए हैं। यदि पाकिस्तान अपनी नीतियों में बदलाव लाता है और भारत संतुलित रु ख अपनाता है, तो भविष्य में तनाव को कम करने की संभावना बनी रह सकती है। लेकिन इसके लिए दोनों पक्षों को न केवल अपनी रणनीतियों पर पुनर्विचार करना होगा, बल्कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ सहयोग भी करना होगा।

> भारत का डर दिखा-दिखा कर ही पाकिस्तान अनेक देशों से आर्थिक मदद मांगता रहा है। प्रो. फेयर ने पाकिस्तानी सेना की भारत के प्रति कार्यशैली पर किताब भी लिखी है। इस साक्षात्कार में उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पाकिस्तान की सेना अपने देश की नीति-निर्माण प्रक्रिया में अहम भूमिका निभाती है। कहा कि पाकिस्तानी सेना भारत को अपने अस्तित्व के लिए सबसे बड़ा खतरा मानती है, और इस धारणा को बनाए रखने के लिए आतंकी संगठनों का इस्तेमाल करती है। प्रो. फेयर के अनुसार, उनकी यह नीति न केवल भारत के लिए खतरा है, बल्कि पाकिस्तान के आंतरिक स्थायित्व को भी कमजोर करती है। उन्होंने यह भी बताया कि पाकिस्तानी सेना के लिए कश्मीर विवाद केवल एक क्षेत्रीय मुद्दा भर नहीं है, बल्कि उनकी वैचारिक और रणनीतिक पहचान का भी हिस्सा है। प्रो. फेयर ने कहा कि पाकिस्तान की सेना तब तक आतंकवाद को समर्थन देती रहेगी, जब तक कि उसे भारत के खिलाफ अपनी स्थिति मजबूत करने का मौका मिलता रहेगा। भारत की हालिया सैन्य कार्रवाइयों जैसे 'ऑपरेशन सिंदूरइ ने पाकिस्तान को कड़ा संदेश दिया है कि भारत अब पहले की तरह निष्क्रिय नहीं रहेगा।

अनुसूचित जाति की स्थिति आज भी अछूत जैसी

सुरेश भाई

आजादी के बाद बापू का सपना था कि समाज में अनुसूचित जाति को समान अधिकार दिलाएंगे क्योंकि समाज में उनकी स्थिति आज भी अछूत जैसी है। इनके साथ अपराध के आंकड़े बढ़ते जा रहे हैं। वे खुले रूप से मंदिर में नहीं जा सकते।

अपने बेटा-बेटी की शादी डोली या घोड़ी में बिठा कर नहीं कर सकते। यदि किसी ने हिम्मत भी की होगी तो उच्च वर्ग के लोगों ने उन्हें प्रताड़ित किया। आज भी उन्हें गांव में जल स्रेतों के पास पानी भरने के लिए तब तक इंतजार करना पड़ता है, जब तक उच्च वर्ग के लोग वहां से पानी लेकर घर नहीं पहुंच जाते।

देश में बहुत सारी योजनाएं दलितों के नाम पर संचालित हो रही हैं, लेकिन अधिकांश दलित समाज को पता नहीं है कि उनके लिए किस तरह से केंद्र और राज्यों में आर्थिक संसाधनों को उपलब्ध किया जा रहा है। उनमें से किसी के पास जानकारी होगी भी तो आसानी से उन्हें मदद नहीं मिल पाती। सत्ता और राजनीति भी ऐसी है कि आरक्षण के नाम पर चुने हुए जनप्रतिनिधि भी उपेक्षा महसूस करते हैं। अपने ही दलों के अंदर बड़े नेता उनका अपमान करने पर आमादा रहते हैं। अनुसूचित जाति के साथ इस तरह के अत्याचार का प्रमुख कारण है कि उच्च वर्ग की मानसिकता में अभी इतना परिवर्तन नहीं हो पाया है कि जो शरीर, रक्त, हाथ-पैर, आंखें, दिमाग, सोचने-समझने की कला और एक जगह से दूसरे जगह जाने की हिम्मत उनमें है, वही दलित वर्ग में भी मौजूद है। जिस दिन उच्च वर्ग के हृदय में यह परिवर्तन हो गया तो समझ लीजिए कि उसके बाद से ही दलितों पर अत्याचार कम हो सकते हैं। डॉ. भीमराव अंबेडकर ने भारत के संविधान में आरक्षण भी इसीलिए रखवाया ताकि उन्हें हर स्तर पर उनकी निश्चित जनसंख्या के आधार पर अधिकार मिलें और वे हीन भावना से आगे निकल सकें।आज आरक्षण का विरोध भी कई राजनीतिक दलों के लोग स्वर्ण मानसिकता के कारण ही करते हैं क्योंकि सोचते हैं कि दलित वर्ग के लोगों को सरकारी नौकरी में आने की क्या जरूरत है? जो लोग वषो तक उनकी खेतीबाड़ी का काम करते रहे, कृषि के औजार बनाते रहे, पैरों को सुख देने वाले जूते बनाते रहे, सुंदर डिजाइन के कपड़े सिलते रहे, खाने पकाने के बर्तन बनाते रहे, भवन और मंदिर निर्माण के शिल्पी रहे आज ये सारे काम पूंजीपतियों और कॉरपोरेट के पास चले गए हैं। इस कारण उनमें रोजगार संकट बढ़ गया है, जबकि दलित भी उसी पर्यावरण में रहते हैं, जिसमें समाज के अन्य सभी वग जीवन यापन करते हैं।

जब शोषित, उपेक्षित वर्ग के पढ़े-लिखे युवक-युवतियां कहीं सरकारी नौकरी में दिखाई देते हैं, तो वहां भी उन्हें दलित वर्ग में पैदा होने का अहसास होता है। इसमें कोई अतिश्योक्ति नहीं कि सरकारी, गैर-सरकारी और अन्य सभी कामकाज में यदि कहीं दलित वर्ग की हिस्सेदारी है, तो समझ लीजिए कि वहां पर भी समाज स्वर्ण और अवर्ण में विभक्त दिखाई देता है। आजादी के बाद समाज में इस विषमता को दूर करने के लिए लगभग दो दशक तक गांधी विचार के अनुयायियों और सत्ता पक्ष के प्रतिनिधियों ने मिल कर अछूतों को मंदिर प्रवेश करवाने का काम किया। दलित बस्तियों में शिविर सम्मेलन के दौरान सामूहिक भोजन करने का सरकारी कार्यक्रम भी चलाया जाता रहा है, जो केवल दलित वोट के नाम पर जलपान अथवा सामूहिक भोज नजर आता है।

चिंताजनक है कि हर घंटे में दलितों के साथ 5 अपराध हो रहे हैं। दलितों को जलाना, पीटना-मारना, शोषण करने जैसे अत्याचारों को हर दिन मीडिया दे रहा है। हाल के दिनों में दलितों पर हुए अत्याचार के आंकड़े बताते हैं कि यूपी में 15,368, राजस्थान में 8,752, मध्य प्रदेश में 7,753, बिहार में 6,509, ओडिशा में 2,902, महाराष्ट्र में 2,743 घटनाएं हुई और इसके बाद के आंकड़े अन्य राज्यों में भी हैं। उत्तर प्रदेश इसमें सबसे आगे है जहां 15,368 अत्याचारों में 189 मंडर, 939 दलित महिलाओं पर हमले, 617 किडनैप आदि के मामले हैं। दलितों पर अत्याचार उच्च मानसिकता के कारण है।

यह तभी रु क सकता है जब मनुष्य छुआछूत की भावनाओं को त्याग दें और हर रोज जिस तरह से पत्र-पत्रिकाओं में नेताओं की स्मृतियों के विज्ञापन छपते रहते हैं, उसी तरह से कोशिश हो कि दलितों पर अत्याचार रोकने के जितने भी कानून हैं, उनका प्रचार- प्रसार हो। टेलीविजन पर भी हर राजनीतिक दल इन अत्याचारों पर खुल कर बोले। वे यह बोलना भी बंद करें कि मेरे राज में इतने दलित मरे और तब तक दूसरा कहता है कि मेरे राज में इससे कम मरे हैं। ऐसी हास्यास्पद चर्चाएं रोकनी पड़ेंगी। इससे घटनाएं और अधिक बढ़ने वाली हैं क्योंकि इससे समाधान के विषय पर कोई बात सामने नहीं आती है। पक्ष-विपक्ष, सामाजिक संस्थाएं मिल कर दलित समाज और स्वर्ण समाज के बीच में सौहार्दता, समानता, एकता, प्रेम और सहानुभूति का वातावरण बनाने के लिए आगे आएंगे तो बहुत लंबा वक्त दलितों पर हो रहे अत्याचार को रोकने में नहीं लगेगा।

खुद को साबित किया देश के भावी कर्णधारों ने

अनुराग गुप्ता

जीवन में प्रत्येक सफलता जहां हमें आगे बढने की प्रेरणा देती है वहीं असफलता से हमें अपनी गलतियों से सबक लेकर खामियों को दूर कर भविष्य की चुनौतियों पर विजय पाने के लिए खुद को मुकम्मल बनाने की प्रेरणा मिलती है। सीबीएसई की परीक्षा में सफलता हासिल करने वालों के लिए यह कड़ी मेहनत, समर्पण और दृढ़ता के फल का आनंद लेने और उसे संजोने का क्षण है। यह बच्चों के दृढ़ संकल्प, अनुशासन और कड़ी मेहनत का नतीजा है। यह अकेले बच्चों की ही कामयाबी नहीं है बल्कि उनके माता-पिता, शिक्षकों और अन्य सभी लोगों की भी इसमें भूमिका रही है। सफलता के इस उत्सव में हमें उन बच्चों की तरफ भी देखना होगा जो अलग अलग कारणों के चलते इस परीक्षा में असफल रहे। उन बच्चों को हमारा यही सन्देश है कि यह समय निराश होने का नहीं है बल्कि नई शुरुआत करने का है। इस बार में अतिरंजना नहीं हो सकती कि भविष्य की सफलता आपका इन्तजार कर रही हो और अगले वर्ष सीबीएसई बोर्ड के एग्जाम में अव्वल नम्बर पर आप ही हों। नेपोलियन बोनापार्ट के शब्दकोष में असफलता जैसा कोई शब्द ही नहीं था। महान वैज्ञानिक थॉमस एडिसन ने कई बार बल्ब के आविष्कार में असफलता के बाद सफलता प्राप्त की। असफलता एक सीख है, और इसे एक अवसर के रूप में देखना चाहिए । असफलता के बाद भी प्रयास करते रहने से हमें सफलता प्राप्त होती है। असफलता हमें अधिक मजबूत और दृढ़ बनाती है, जिससे हम भविष्य में अधिक दृढ़ संकल्प से और अधिक कुशलता से कार्य कर सकते हैं। बार-बार असफल होने के बाद भी प्रयास करते रहना हमें दृढ़ता और आत्मविश्वास प्रदान करता है, जो सफलता के लिए आवश्यक हैं। असफलता हमें नए रास्ते और नए अवसर खोजने के लिए प्रोत्साहित करती है। सीबीएसई के इस वर्ष के नतीजे देश के स्कूली शिक्षा जगत के इस उत्साहपूर्ण पहलू को भी इंगित करते हैं कि इंटरनेट, स्मार्ट टीवी और एंड्रॉइड मोबाइल के इस युग में हमारे बच्चे अपना ध्यान पढ़ाई में लगा रहे हैं, वे तेजी से पढ़ रहे हैं और आगे बढ़ रहे हैं। देश के भावी कर्णधारों का यह रुझान राष्ट्र और हमारे समाज के सुखद भविष्य की उम्मीदे जगाता है। इस वर्ष 10वीं में 93। 66 फीसदी स्टूडेंट्स पास हुए हैं जो कि पिछले साल से अधिक है। लड़कियां 95 फीसदी पास हुईं जबकि लडके 92। 63 फीसदी पास हुए।

द ग्रेट इंडियन कपिल शो सीजन 3 का ऑफिशियल एलान

कॉमेडी शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शोझ् के पिछले दो सीजन ने दर्शकों को खूब हंसाया था। अब कपिल शर्मा का यह शो अपने तीसरे सीजन के साथ फिर से हंसी-ठिठोली का डोज लेकर आ रहा है। इस सीजन में कई सरप्राइज कर देने वाले चेहरों का दीदार होने वाला है। कॉमेडियन और एक्टर कपिल ने वीडियो के जरिए शानदार अंदाज में सभी कलाकारों को आमंत्रण दिया है। देखें कब और किन कलाकारों के साथ आ रहे कपिल। कॉमेडियन और एक्टर कपिल शर्मा ने अपने इंस्टाग्राम पर द ग्रेट इंडियन कपिल शो के तीसरे सीजन से जुड़ा एक वीडियो साझा किया है। इस वीडियो में कपिल शर्मा शो के सभी कलाकारों को फोन करके उसके नए सीजन की जानकारी दे रहे हैं और उनसे पूछ रहे हैं कि क्या नया किया जा सकता है। यह नया सीजन नेटफ्लिक्स पर 21 जून से स्ट्रीम होगा। इस वीडियो के कैप्शन में लिखा है, 'हंसी आउट ऑफ कंट्रोल होगी क्योंकि कपिल और उनकी टीम एक बार फिर वापस आ गई है। अब हर फनीवार, बढ़ेगा हमारा परिवार 'द ग्रेट इंडियन कपिल शोझ् के नए सीजन के साथ। 21 जून से केवल नेटफ्लिक्स पर। शेयर किए गए वीडियो पोस्ट में कपिल शर्मा ने सबसे पहले अर्चना पूरन सिंह को फोन किया और उन्हें शो के नए सीजन के बारे में बताया। इसके साथ ही उन्होंने मजाकिया अंदाज में अर्चना से कहा कि उन्हें अब बैंक से लोने लेने की जरूरत नहीं है, क्योंकि शो का तीसरा सीजन आ रहा है।

हैदराबाद ने धमाकेदार जीत के साथ ली विदाई

नई दिल्ली,। सनराइजर्स हैदराबाद ने कोलकाता नाइट राइडर्स को आईपीएल 2025 के 68वें मुकाबले में 110 रनों से हरा दिया है. दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में हेनरिक क्लासेन के धमाकेदार शतक की बदौलत एसआरएच ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 3 विकेट खोकर 278 रन बनाए. केकेआर इस लक्ष्य का पीछा करते हुए 18.4 ओवर में 10 विकेट गंवाकर सिर्फ 168 रन बना पाई और 110 रनों से मैच हार गई. इस जीत के साथ हैदराबाद ने जीत के साथ आईपीएल 2025 का अभियान समाप्त किया है जबकि केकेआर को टूर्नामेंट से हार के बाद विदाई लेनी पड़ी है.हैदराबाद से जीत के लिए मिले 279 रनों के लक्ष्य का पीछा करने के लिए केकेआर की ओर से क्विंटन डी कॉक और सुनील नारायण ने पारी की शुरुआत की लेकिन डी कॉक 9 और नारायण 31 रन बनाकर पवेलियन लौट गए. इसके बाद अजिंक्य रहाणे ने 15 और अंगकृष रघुवंशी ने 14 रन बनाए. रिंकू सिंह 9, आंद्रे रसेल 0, रमनदीप सिंह 13 रन बनाकर चलते बने. टीम के लिए अंत में मनीष पांडे ने शानदार खेल दिखाते हुए 37 और हर्षित राणा ने 34 रनों की पारी खेली लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाए. हैदराबाद के लिए हर्ष दुबे, जयदेव उनादकट और ईशान मलिंगा ने सबसे ज्यादा 3-3 विकेट हासिल किए. इस मैच में हेनरिक क्लासेन ने शतकीय पारी खेली. उन्होंने 39 बॉल पर 7 चौके और 9 छक्कों के साथ 105 रनों की नाबाद पारी खेली. वो हैदराबाद के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे. उनके अलावा इस मैच में हैदराबाद के लिए अभिषेक शर्मा ने 16 बॉल में 4 चौके और 2 छक्कों के साथ 32 रन बनाए. ट्रेविस हेड ने 40 बॉल में 6 चौके और 6 छक्कों के साथ 76 रनों की पारी खेली. ईशान किशन 29 और अनिकेत वर्मा ने 12 रनों का योगदान दिया. केकेआर की ओर से सुनील नारायण ने 2 और वैभव अरोड़ा ने 1 विकेट चटकाया. इस मैच में क्लासेन ने दो खास उपलब्धि हासिल की वो आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले तीसरे बल्लेबाज बन गए. उन्होंने 17 बॉल में 50 रन पूरे किए. इसके अलावा वो आईपीएल इतिहास में सबसे तेज शतक लगाने वाले संयुक्त रूप से दूसरे बल्लेबाज बन गए. उन्होंने 37 बॉल में शतक लगाया और पूर्व भारतीय बल्लेबाज यूसुफ पठान की बराबरी कर ली. इसके साथ ही हैदराबाद ने इस मैच में 278 रन बनाकर आईपीएल इतिहास का तीसरा सबसे बड़ा टोटल बनाया.

तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी की शूटिंग शुरू

बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन एक बार फिर अपने फैंस के लिए रोमांचक खबर लेकर आए हैं। रोमांटिक ड्रामा 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरीझ् की शूटिंग की शुरुआत हो चुकी है और इसका मुहूर्त शॉट यूरोप में शूट किया गया। निर्देशक समीर विद्वांस के निर्देशन में बनने वाली इस फिल्म को धर्मा प्रोडक्शंस और नमः पिक्चर्स द्वारा प्रस्तुत किया जा रहा है।

कार्तिन आर्यन ने अपनी एक तस्वीर इंस्टाग्राम पर शेयर की है जिसमें वो बड़े-बड़े बालों को कटवाकर नए लुक में नजर आ रहे हैं। इसी के साथ ही एक्टर ने मुहुर्त शॉट की भी जानकारी दी है। एक्टर ने हाल ही में अनुराग बसु की रोमांटिक म्यूजिकल फिल्म की शूटिंग खत्म की है, अब इस नए प्रोजेक्ट में जुट गए हैं।

उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर भगवान गणेश की एक झलक शेयर करते हुए मुहूर्त शॉट का वीडियो क्लिप पोस्ट किया। इस वीडियो में फिल्म के क्लैपरबोर्ड के साथ भगवान गणेश की झलक भी दिखाई दे रही है।

मेट्रो इन दिनों का जमाना लगे टीजर रिलीज

अनुराग बसु की फिल्म 'मेट्रो इन दिनोंझ् का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म के गाने जमाना लगे का टीजर रिलीज किया गया है। इस गाने के टीजर में फिल्म की पूरी स्टारकास्ट की झलक देखने को मिल रही है। आदित्य रॉय कपूर, सारा अली खान, फातिमा सना शेख, अनुपम खेर, नीना गुप्ता, कोंकणा सेन शर्मा, अली फजल, पंकज त्रिपाठी जैसे मंझे हुए कलाकारों से सजी ये फिल्म 4 जुलाई 2025 को थिएटर्स में रिलीज होने वाली है।

दो साल बाद आदित्य रॉय कपूर बड़े पर्दे पर कमबैक करने के लिए तैयार हैं और इस मूवी में वो पहली बार सैफ अली खान की बेटी सारा के साथ स्क्रीन शेयर करते हुए नजर आएंगे।

कोर्ट पर ही टेनिस स्टार राफेल नडाल के निकले आंसू

पेरिस,। फ्रेंच ओपन 2025 रविवार, 25 मई से शुरू हो गया है. टूर्नामेंट के पहले दिन क्ले कोर्ट के बादशाह राफेल नडाल को भावनात्मक ट्रिब्यूट पेश किया गाय. इस मौके पर उनके कुछ सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी-रोजर फेडरर, नोवाक जोकोविच और एंडी मरे- भी कोर्ट पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई. शानदार विदाई समारोह को देखकर राफेल अपने आंसू नहीं रोक पाए और कोर्ट पर ही रोने लगे.बता दें कि द किंग ऑफ क्ले के नाम से फेमस राफेल नडाल ने पिछले साल नवंबर में अपने शानदार करियर का अंत किया. वो 22 टाइटल के साथ दूसरे सबसे ज्यादा ग्रैंड स्लैम जीतने वाले खिलाड़ी हैं. जबकि जोकोविच 24 और फेडरर 21 ग्रैंड स्लैम के साथ पहले और तीसरे स्थान पर हैं. इसके अलावा नडाल ने सबसे ज्यादा 14 बार फ्रेंच ओपन का खिताब जीता है. अपने 20 साला फ्रेंच ओपेन करियर में उन्होंने 112 मैच जीते और केवल चार मैच हारे हैं. स्पेनिश खिलाड़ी के विदाई समारोह में दस हजार से ज्यादा दर्शकों ने राफेल नडाल नाम की टी-शर्ट पहनकर स्टैंड में बैठे रहे. जिन पर 14 नंबर और दिल बना हुआ था. इसके अलावा बड़ी स्क्रीन पर नडाल की छोटी फिल्म दिखाई गई, जिसमें उनके अविश्वसनीय फ्रेंच ओपन के सफर को दर्शाया गया था. इस दौरान स्टैंड में एक महिला को अपने साथी के आंसू पोंछते हुए देखा गया. जैसे ही फिल्म समाप्त हुई, पूरे स्टेडियम में तीन मिनट तक तालियां बजती रही और इसी दौरान नडाल के भी आंसू निकल पड़े.

राफेल ने इस मौके पर फ्रेंच में कहा, मेर्सी ब्यूकॉप पिछले 20 सालों से इस कोर्ट पर खेलने के बाद मुझे नहीं पता कि कैसे और कहां से शुरुआत करनी है. मैंने इस कोर्ट का लुत्फ उठाया, दुख झेला, जीता, हारा. सबसे बढ़कर कि मुझे यहां खेलने का मौका मिला.

एक नजर

जिले के दो स्कूल पीएम श्री विद्यालय बनें

चमोली : जिले के दो विद्यालयों का चयन पीएम श्री विद्यालय के रूप के हुआ है। वरिष्ठ समाज सेवी भुवन नौटियाल और वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश पुजारी ने बताया चमोली जिले के राजकीय इंटर कॉलेज नन्दप्रयाग और राजकीय इंटर कॉलेज कर्णप्रयाग को इस वर्ष पीएम श्री विद्यालय के रूप में चयनित किया गया है। सामाजिक कार्यकर्ता भुवन नौटियाल और वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश पुजारी ने दो स्कूलों के चयन पर सरकार का आभार जताया है। (एजेंसी)

स्कूल में पौधे रोपे

चमोली : स्वच्छता पखवाड़ा 2025 के तहत टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की विष्णुगाड़-पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना ने सोमवार को सरकारी जूनियर हाईस्कूल सियासैंण में पौध रोपण किया। यह विद्यालय अलकनंदापुरम परिसर वीपीएचईपी के अंतर्गत स्थित है। इस अवसर पर परियोजना प्रमुख अजय वर्मा, महाप्रबंधक केपी सिंह ने पौध रोपण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर पीएस रावत अवर महाप्रबंधक बीएस पुंडीर अवर महाप्रबंधक, वीडी भट्ट वरिष्ठ प्रबंधक, ओपी आर्य उप महाप्रबंधक, बलबीर गुसाईं प्रबंधक, वाईएस चौहान प्रबंधक आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

पीटीए अध्यक्ष बनें अमर सिंह

चमोली : राइंका हरगढ़ में सोमवार को सर्वसम्मति से पीटीए का गठन कर अमर सिंह को अध्यक्ष चुना गया। जबकि गंगा सिंह नेगी उपाध्यक्ष, श्याम सिंह पालीवाल एसएमसी अध्यक्ष, नीतू देवी उपाध्यक्ष बनाऐ गये हैं। इस अवसर पर विद्यालय प्रधानाचार्य धीरज भंडारी, बृजमोहन ओलिया, मदन राम, प्रदीप बिष्ट, मनोज कुमार, शकुंतला, किरन, मान सिंह, कलम सिंह, भरत सिंह, खीम सिंह, तुलसी देवी, दीपा देवी, मंगल सिंह, विमला, दीपक, सहित कई अभिभावक मौजूद रहे। (एजेंसी)

सड़क पर मिला शव

चमोली : जिले के पोखरी के हापला में सोमवार को सुबह सड़क पर एक शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। सड़क से गुजरने वाले लोगों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। एसआई दलबीर सिंह ने बताया कि हापला बाजार के समीप सड़क पर जो शव पड़ा मिला। उसकी पहचान उद्यान विभाग में कार्यरत उपनल के कर्मी के रूप में हुई है। वह हापला में माली के पद पर कार्यरत जसवंत कंडारी रूप में हुई है। पुलिस मामले छानबीन में लगी हुई है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम के लिए कर्णप्रयाग भेज दिया है। (एजेंसी)

पेयजल संकट से परेशान ग्रामीणों ने तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

श्रीनगर गढ़वाल : जल जीवन मिशन के तहत सूखे पड़े नलों और पेयजल संकट की समस्या को लेकर देवप्रयाग विधानसभा के विभिन्न गांवों के ग्रामीणों परेशान हैं। सोमवार को सामाजिक कार्यकर्ता गणेश भट्ट के नेतृत्व में मुंडोली ग्रामसभा और दोग्यार गांव के लोगों ने कीर्तिनगर तहसील पहुंचकर ज्ञापन प्रेषित किया। ज्ञापन के माध्यम से ग्रामीणों ने बताया कि देवप्रयाग ब्लाक के दोग्यार गांव, सिलेथी (हिंडोलाखाल), भैंसपानी (जामनीखाल), सिरमौली, बनगढ़, कीर्तिनगर के मुंडोली और बकौला गांवों में जल जीवन मिशन के अंतर्गत स्थापित नल कई महीनों से सूखे पड़े हैं। इससे ग्रामीणों को भारी पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है। आम आदमी पार्टी के नेता गणेश भट्ट ने प्रशासन से मांग की कि एक स्वतंत्र जांच समिति गठित कर प्रभावित गांवों में जल जीवन मिशन की पेयजल आपूर्ति व्यवस्था की जांच कराई जाए। उन्होंने कहा कि जेजेएम योजना के तहत लगाए गए कनेक्शनों व व्यवस्थाओं की जांच की मांग की गई थी, लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हुई।

उत्तराखंड महिला आयोग की उपाध्यक्ष करेंगी यात्रा मार्ग का निरीक्षण

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : उत्तराखंड महिला आयोग की उपाध्यक्ष श्रीमती ऐश्वर्या रावत 27 मई (मंगलवार) को जनपद में विभिन्न कार्यक्रमों में प्रतिभाग करेगी।

प्रभारी अधिकारी जिला कार्यालय डीएस रौतेला ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार उत्तराखंड महिला आयोग की उपाध्यक्ष मंगलवार (27 मई) को प्रातः 9 बजे बसंत विहार अगस्त्यमुनि से प्रस्थान कर श्री केदारनाथ यात्रा मार्ग पर स्थित फाटा में महिला स्वयं सहायता समूह सहित तीर्थ यात्रियों से भेंट करेंगी इसके बाद 11 बजे फाटा से प्रस्थान कर सोनप्रयाग में तीर्थ यात्रियों से भेंट करने के साथ ही थाना सोनप्रयाग में महिला हेल्पलाइन का निरीक्षण करेंगी।

मालन पुल सहित सात योजनाओ का मुख्यमंत्री ने किया वर्चुअल लोकार्पण

कोटद्वार-भाबर क्षेत्र से मोटाढ़ाक को जोड़ने वाले मालन पुल पर भारी वाहनों का भी संचालन शुरु

मालन पुल के वर्चुअल लोकार्पण के दौरान जनता को संबोधित करते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को मालन नदी पर बने पुल का वर्चुअल लोकार्पण किया। लोकार्पण के बाद पुल को भारी वाहनों की आवाजाही के लिए भी खोल दिया गया है। जनता को वर्चुअल रूप से संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मालन सेतु का पुनर्निर्माण राज्य सरकार की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। जिसके अंतर्गत प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों में आधारभूत ढांचे को मजबूत किया जा रहा है। इस पुल के शुरू होने से कोटद्वार एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। सोमवार को आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य में शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, सड़क, रेल एवं हवाई कनेक्टिविटी से जुड़े इंफ्रास्ट्रेक्चर को मजबूत किया जा रहा है। इसी क्रम में कोटद्वार के विकास के लिये भी कई महत्वपूर्ण योजनाओं पर काम किया जा रहा है। कोटद्वार में जहां एक ओर नमामि गंगे परियोजना के अंतर्गत 135 करोड़ रुपए की लागत से अत्याधुनिक सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण कार्य चल रहा है, वहीं दूसरी ओर 691 करोड़ की लागत से कोटद्वार में चार लेन बाईपास और कोटद्वार-नजीबाबाद डबल लेन सड़क का निर्माण भी कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कोटद्वार-पौड़ी-श्रीनगर सड़क को भी अब डबल लेन में अपग्रेड किया जा रहा है। जिससे यात्रियों को सुविधा मिलेगी और आर्थिक गतिविधियों को गति मिलेगी। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत कोटद्वार रेलवे स्टेशन का नवीनीकरण किया जा रहा है। सिद्धबली-कोटद्वार से दिल्ली तक नई ट्रेन सेवा भी शुरू हो चुकी है। कोटद्वार में अस्पताल और बस स्टैंड टर्मिनल का भी निर्माण प्रगति पर है। उन्होंने कहा कि कोटद्वार में केंद्रीय विद्यालय के निर्माण के लिये लिये कैबिनेट में प्रस्ताव लाकर विद्यालय के लिये भूमि हस्तांतरित कर दी गई है। सरकार हर वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। विधानसभा अध्यक्ष व स्थानीय विधायक ऋतु खंडूडी भूषण ने कहा कि कोटद्वार में मुख्यमंत्री के सहयोग से लगातार विकास कार्य कराये जा रहे हैं। क्षतिग्रस्त मालन पुल का कार्य भी तेजी से पूरा किया गया है। इस अवसर पर नगर निगम कोटद्वार मेयर शैलेंद्र सिंह रावत, भाजपा जिलाध्यक्ष राज गौरव नौटियाल, जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान उपस्थित थे।

इन योजनाओं का हुआ लोकार्पण

26 करोड़ 75 लाख 95 हजार की लागत से चिल्लरखाल-सिगड्डी-कोटद्वार-पाखरो मोटर मार्ग पर मोटाढाक के निकट मालन नदी पर 325 मीटर स्पान के पूर्व निर्मित आरसीसी वॉयडेड स्लैब सेतु का सुरक्षात्मक कार्य।

4 करोड़ 50 लाख 19 हजार की लागत से चिल्लरखाल-पाखरो मोटर मार्ग के 12 किलोमीटर में स्थित 385 मीटर स्पान के सुखरौ पुल का सुरक्षात्मक कार्य। 2 करोड़ 10 लाख 40 हजार की लागत से कौड़िया मोटाढाक मोटर मार्ग पर बीईएल के निकट सुखरों नदी पर 300 मीटर स्पान डबल लेन पुल का सुरक्षात्मक कार्य। 2 करोड़ 36 लाख 87 हजार की लागत से खोह नदी में स्थित 90 मीटर स्पान ग्रास्टनगंज पुल के सुरक्षात्मक कार्य।

2 करोड़ 70 लाख 20 हजार की लागत से खोह नदी में स्थित 100 मीटर स्पान गूलर पुल के सुरक्षात्मक कार्य। 4 करोड़ 87 लाख 20 हजार की लागत से खोह नदी पर 100 मीटर स्पान आरसीसी गार्डर पुल के सुरक्षात्मक कार्य। 18 करोड़ 25 लाख 35 हजार की लागत से निर्मित चिल्लरखाल-सिगड्डी-कोटद्वार-पाखरो मोटर मार्ग के किलोमीटर 1-12 में सुदृढ़ीकरण कार्य।

मुख्यमंत्री की घोषणाएं

1- विकासखण्ड दुगड्डा के मेरठ-पौड़ी राजमार्ग के किमी. 138 से लालपुर-कलालघाटी-नयाबाद-पुराना कोटद्वार-हरिद्वार मोटर मार्ग का डी.बी.एम. एवं बी.सी. द्वारा सुदृढीकरण कार्य कराया जायेगा।

2- कोटद्वार में खड़क सिंह के घर से रजनी देवी के घर तक तथा चिल्लर खाल तिराहे से लोकमणिपुर की ओर बहादुर सिंह के घर तक सिगड्डी नगरीय पेयजल योजना में पाइपलाईन बिछाने का कार्य किया जायेगा।

3- सिंचाई खण्ड दुगड्डा के कोटद्वार क्षेत्रातंर्गत के मालन फीडर की मरम्मत एवं सुरक्षात्मक कार्य किया जायेगा।

4- कोटद्वार में मालन नदी पर निर्मित बायी मालन नहर के साइफन सिल्ट इजेक्टर एवं आउटलेट वेल की मरम्मत एवं सुरक्षात्मक कार्य किया जायेगा।

5- राज्य आपदा न्यूनीकरण निधि (एस.डी.एम.एफ.) क्षेत्रातंर्गत कोटद्वार में खोह नदी के बांये तट पर स्थित ग्राम बिशनपुर की बाढ़ सुरक्षा का कार्य किया जायेगा।

नवनियुक्त अध्यक्ष राजे सिंह आर्य का स्वागत

आयोजित कार्यक्रम में राजे सिंह आर्य का स्वागत करते कार्यकर्ता व पदाधिकारी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : जिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं की ओर से सोमवार को पार्टी कार्यालय में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस की ओर से पार्टी के अनुसूचित जाति विभाग के नव नियुक्त अध्यक्ष राजे सिंह आर्य का अभिनंदन किया गया।

इस अवसर जिलाध्यक्ष विनोद डबराल ने कहा कि राजे सिंह आर्य के इस पद पर नियुक्ति से अनुसूचित जाति के लोगों की समस्याओं को प्रमुखता से हल किया जा सकेगा। इससे संगठन को भी मजबूती मिलेगी। अनुसूचित विभाग के नव नियुक्त अध्यक्ष राजे सिंह आर्य ने कहा कि प्रदेश नेतृत्व द्वारा दिए गए पद पर वे खरा उतरने की कोशिश करेंगे। इस मौके पर पांच लोगों ने कांग्रेस की सदस्यता भी ग्रहण की। कार्यक्रम में पूर्व मेयर प्रत्याशी रंजना रावत, बलबीर सिंह रावत, विनोद रावत, गोकुल सिंह नेगी, लक्ष्मी चौहान, शुभम रावत, मनोज बिष्ट, राजा आर्य और कृपाल सिंह नेगी सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल रहे।

राजेंद्र प्रसाद पंत बनें अध्यक्ष

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : सोमवार को सेवानिवृत्त वन अधिकारी एवं कर्मचारी कल्याण समिति की बैठक आयोजित की गई। जिसमें पुरानी कार्यकारणी को भंग कर नवीन कार्यकारणी का गठन करते हुए अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी राजेंद्र प्रसाद पंत व महासचिव की जिम्मेदारी केसी राम निराला को दी गई।

सोमवार को पनियाली स्थित अरण्य सभागार में बैठक हुई। जिसमें बड़ी संख्या में समिति के सदस्यों व पदाधिकारियों ने भाग लिया। इस दौरान अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद पंत, उपाध्यक्ष हरीश चंद्र भट्ट, महासिचव केसी राम निराला, कोषाध्यक्ष सुरेश चंद्र मधवाल, मीडिया प्रभारी सीके असवाल को बनाया गया। संरक्षक मंडल की जिम्मेदारी धीरज धर बछवाण, अनिल कुकरेती, रफीक खान, दिनेश घिल्डियाल को दी गई। इस मौके पर गणेश डोभाल, मेहरबान सिंह रावत, कैलाश चंद्र, आरपी जोशी, चंद्र मोहन सिंह, पुष्कर सिंह रावत आदि मौजूद रहे।

पूर्व प्राचार्य डा. संध्या नेगी के निधन पर जताया शोक

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : भाबर क्षेत्र के अंतर्गत पदमपुर मोटाढ़ाक स्थित मालिनी वैली कालेज ऑफ एजुकेशन की भूतपूर्व प्राचार्य डा. संध्या नेगी का निधन हो गया है। उनके निधन की सूचना मिलते ही कालेज में शोक की लहर छा गई।

कॉलेज स्टाफ की ओर से आयोजित शोक सभा में वक्ताओं ने एक दशक से अधिक समय तक कॉलेज की प्रथम प्राचार्य की भूमिका में उनके योगदान को याद किया।

कहा कि इससे पूर्व वे डिग्री कॉलेज, थलीसैंण की प्राचार्य एवं राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोटद्वार के शिक्षाशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष भी रह चुकी थीं। अपने निजी जीवन में भी उन्होंने कई बच्चों को गोद लेकर उनकी परवरिश की ओर कई बच्चों की शिक्षा का खर्च वहन किया। इस मौके पर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। शोक व्यक्त करने वालों में चेयरमैन योगम्बर सिंह और प्राचार्य डॉ. संगीता नेगी सहित अन्य लोग शामिल रहे।

आयोजित कार्यक्रम में डा. संध्या नेगी को श्रद्धांजलि देती विद्यार्थी व अन्य

भूमि की उपयोगिता की पुनः जांच करें अधिकारी : डीएम

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : जिलाधिकारी डा. आशीष चौहान ने झंडीचौड़ में प्रस्तावित एनिमल बर्थ कंट्रोल सेंटर व नंदीशाला निर्माण के लिए चयनित भूमि का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को भूमि की उपयोगिता की पुनः जांच कर आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

सोमवार को निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने सिम्मलचौड़ स्थित राजकीय संप्रेक्षण गृह (किशोरी) का भी निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि कोटद्वार में जल्द ही महिला नशा मुक्ति केंद्र भी खोला जायेगा।

यह केंद्र जिले का पहला महिला नशा मुक्ति केंद्र होगा, जो किशोरियों के पुनर्वास में अहम भूमिका निभाएगा। इसके अलावा जिलाधिकारी ने काशीरामपुर तल्ला में 135 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित होने वाले सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट स्थल का निरीक्षण किया।

अधिकारियों के साथ निरीक्षण करते जिलाधिकारी

उन्होंने सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट को लेकर संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। कहा कि व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए अधिकारी गंभीरता से कार्य करें। अपने कार्य में लापरवाही दिखाने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इस मौके पर तहसीलदार साक्षी उपाध्याय, जिला समाज कल्याण अधिकारी रोहित दुबड़िया, जिला प्रोबेशन अधिकारी अरविंद कुमार सहित आदि मौजूद रहे।

कांडाखाल से बनाली गांव तक निकली शोभा यात्रा

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : मां अन्नपूर्णा मां भगवती मूर्ति अनावरण एवं प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के तहत सोमवार को कांडाखाल से बनाली तक शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में ग्रामीण व प्रवासी पहुंचे हुए थे।

सोमवार सुबह कंडाखाल से माता की डोली बनाली गांव के लिए रवाना हुई। शोभा यात्रा में बड़ी संख्या में ग्रामीण व प्रवासी शामिल रहे। डोली के साथ ग्रामीण व प्रवासी जयमाता दी के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। महिलाएं सिर में कलश लेकर माता के भजनों का गुणगान करते हुए गांव की राह पर आगे बढ़ रही थी।

ग्रामीणों ने बताया कि गांव में अन्नपूर्णा मां भगवती की मूर्ति का अनावरण व प्राण प्रतिष्ठा के साथ भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। बताया कि मंगलवार को माता की विशेष पूजा की जाएगी। जबकि, 28 मई को गांव में विशेष भंडारे का आयोजन होगा। इस मौके पर उपाध्यक्ष सिंचाई सलाहकार समिति ऋणि कंडवाल, दीपक कंडवाल, गणेश कंडवाल, अशोक कंडवाल, राम किशोर कंडवाल, विनोद कंडवाल, शैलेंद्र गुलेरिया, देव प्रसाद बड़ोनी, नीरज कंडवाल आदि मौजूद रहे।

कंडाखाल से बनाली तक शोभायात्रा निकालते ग्रामीण

पैठाणी में मास्टर प्लान के तहत होंगे विकास कार्य : डीएम

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने कहा कि पैठाणी में हेलीपैड के लिए जमीन की तलाश की जायेगी। पैठाणी बाजार में मास्टर प्लान के तहत विकास कार्य किये जायेगें। डीएम ने संबंधित अफसरों को राहु मंदिर परिसर और उसके आसपास के क्षेत्र को विकसित करने के लिए विस्तृत मास्टर प्लान तैयार करने, पैठाणी में हेलीपैड निर्माण के लिए स्थान को चिह्नित करने के निर्देश दिये।

पैठाणी में हेलीपैड और यहां के प्रसिद्ध राहु मंदिर तक जाने वाले मार्ग सहित यहां पार्किंग निर्माण की संभवानाओं को लेकर जिलाधिकारी ने स्थानीय लोगों से बातचीत की। डीएम ने पैठाणी बाजार में पार्किंग स्थल को लेकर निरीक्षण किया। उन्होंने इसके लिए अधिकारियों को मास्टर प्लान तैयार करने के निर्देश दिए हैं। डीएम ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों और व्यापार मंडल के पदाधिकारियों से बातचीत कर राहु मंदिर क्षेत्र के विकास की संभावनाओं पर चर्चा की। प्रतिनिधियों ने बताया कि प्रस्तावित मार्ग और पार्किंग का निर्माण होने से श्रद्धालु आसानी से पार्किंग स्थल से सीधे मंदिर तक पैदल पहुंच सकते हैं। इससे श्रद्धालुओं को सुविधा मिलेगी और स्थानीय स्तर पर व्यापार भी बढ़ेगा। डीएम ने जल संरक्षण के लिए सारा (स्प्रिंग एंड रिवर रिज्युविनेशन अथॉरिटी) अभियान के तहत मंदिर के आसपास के जलस्रोतों और संगम पर स्थित दोनों नदियों की सफाई के निर्देश अफसरों को दिए। डीएम ने कहा कि मार्ग और पार्किंग की सुविधा होने पर पर्यटन को भी गति मिलेगी। निरीक्षण के दौरान पैठाणी व्यापार सभा अध्यक्ष नरेंद्र नेगी, पूर्व गढ़वाल मंडल विकास निगम उपाध्यक्ष राजेंद्र रौथाण आदि मौजूद थे।

सेना में अधिकारी बनें सौरभ नेगी

चमोली : विनगढ़ गावं के सौरभ नेगी सेना में आईएमए से 12 महीने की ट्रेनिंग के बाद सेना में लेफ्टिनेंट बनेंगे। उन्होंने सेना में परमानेंट कमीशन की परीक्षा उत्तीर्ण की है। उनके अफसर बनने पर क्षेत्र में खुशी की लहर है। सौरभ के चाचा मनोज नेगी और चाची एडवोकेट सुधा नेगी ने बताया कि सौरभ 2021 में गढ़वाल राइफल में सिपाही के पद पर भर्ती हुए।

नौकरी के दौरान पढ़ाई जारी रखते हुए अब उनका चयन विशेष टेस्ट क्वालीफाई कर सर्विस सलेक्शन बोर्ड सेना में अधिकारी के पद पर हुआ हैं। अब वे भारत्तीय सैन्य अकादमी (आईएमए) देहरादून के आर्मी कैडेट कॉलेज में तीन साल के प्रशिक्षण प्राप्त कर आईएमए से 12 महीने की ट्रेनिंग के बाद सेना में लेफ्टिनेंट बनेंगे। सौरभ ने प्रारंभिक शिक्षा जूनियर हाईस्कूल विनगढ़ और हाईस्कूल व इंटर की पढ़ाई राजकीय इंटर कॉलेज उडामांडा से की।

पुलिस ने चलाया सत्यापन अभियान, काटे चालान

कोटद्वार में सत्यापन अभियान चलाती पुलिस

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कानून व्यवस्था बनाएं रखने के लिए पुलिस का सत्यापन अभियान जारी है। इसी के तहत रविवार को पुलिस ने किराए के कमरों में रहने वाले श्रमिकों का सत्यापन किया। पुलिस ने भवन स्वामियों को भी किराएदारों का सत्यापन अवश्य करवाने की चेतावनी दी।

सतपुली, पैठाणी व कोटद्वार पुलिस ने क्षेत्र में सत्यापन अभियान चलाकर चार सौ से अधिक रेहड़ी-ठेली संचालक व श्रमिकों का सत्यापन किया। बिना सत्यापन किराए पर कमरा देने वाले 24 भवन स्वामियों के खिलाफ चालान की करवाई भी की गई। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक रमेश तनवार ने बताया कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर सत्यापन अभियान चलाया जा रहा है। कोटद्वार में पुलिस ने आमपड़ाव, गाड़ीघाट व भाबर क्षेत्र में पहुंचकर अभियान चलाया।

सीनियर वर्ग में शौर्य, अनाहिता ने मारी बाजी

श्रीनगर गढ़वाल : शेमफोर्ड स्कूल में सोमवार को आयोजित इंटर हाउस शतरंज टूर्नामेंट में सीनियर और जूनियर श्रेणियों के छात्रों ने अपना दमखम दिखाया। सीनियर पुरुष में बारहवीं के शौर्य असवाल, जबकि सीनियर महिला वर्ग में दसवीं की अनाहिता अव्वल रही। जूनियर पुरुष वर्ग में आठवीं के अर्नव रोहिल्ला, जूनियर महिला में आठवीं की सान्वी बुटोला ने बाजी मारी।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र कुनाल के जन्म प्रमाण पत्र में मेरे पुत्र का नाम क्लोशन दर्ज हो गया है, जो कि गलत है, जबकि मेरे पुत्र का सही व वास्तविक नाम कुनाल है। अतः मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र में मेरे पुत्र का सही व वास्तविक नाम कुनाल दर्ज किया जाये।

दिनेश पुत्र भूरे सिंह निवासी कौड़िया कैंप, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

22 जून से शुरू होगी दो दिवसीय धरोहर संवाद गोष्ठी

श्रीनगर गढ़वाल : उत्तराखंड की लोक संस्कृति, साहित्य व पारंपरिक ज्ञान को संरक्षित और प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आगामी 22 जून से दो दिवसीय धरोहर संवाद 2025 गढ़वाल विवि में आयोजित होगा।

पत्रकारों से वार्ता करते हुए वरिष्ठ रंगकर्मी एवं गढ़वाल विवि के लोक कला एवं निष्पादन केंद्र के पूर्व निदेश-ाक प्रो. डीआर पुरोहित ने कहा कि धरोहर संवाद राज्य के समर्पित साहित्यकारों, लोकविदों, संस्कृति कर्मियों और शोधकर्ताओं की सामूहिक पहल है। कहा कि युवा पीढ़ी को उत्तराखंड की पारंपरिक पूजा-पद्धति, लोककला, मूर्तिशिल्प, वाद्य परंपरा जैसे ढोल-दमाऊं, पारंपरिक कृषि ज्ञान और महिलाओं की भूमिका को पहचानने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। बताया कि यूकास्ट देहरादून व धरोहर न्यास के संयुक्त तत्वावधान में 22 जून से चौरास स्थित गढ़वाल विवि के क्रियाकलाप केंद्र में दो दिवसीय धरोहर संवाद कार्यक्रम होगा। प्रो. पुरोहित ने बताया कि उद्घाटन सत्र में संस्कृति, साहित्य, विज्ञान और सामाजिक मूल्यों पर आधारित विचार गोष्ठी आयोजित होगी, जबकि दूसरे दिन लोक कलाकारों की प्रस्तुतियों के साथ लोक साहित्य, श्रव्य-वीडियो और शोध दस्तावेजों का लोकार्पण किया जाएगा।

धरोहर न्यास के प्रदेश अध्यक्ष विजय भट्ट ने कहा कि दूसरे सत्र में बागेश्वर के ढोल वादक मोहनदास और श्रीनगर के डॉ. सोहनलाल अपनी प्रस्तुतियां देंगे। पर्यावरण और नारी चेतना पर आधारित परिचर्चा भी मुख्य आकर्षण रहेगी। कार्यक्रम के समापन पर एक घोषणा-पत्र जारी किया जाएगा, जिसमें नीति-निर्माण के लिए सुझाव दिए जाएंगे। आयोजन समिति का उद्देश्य राज्य की सांस्कृतिक विरासत को भावी पीढ़ियों तक पहुंचाना और उसका दस्तावेजीकरण करना है। इस मौके पर धरोहर न्यास के प्रदेश उपाध्यक्ष डा. प्रमोद उनियाल, प्रदेश मंत्री संजय मठवाल, कमल किशोर डिमरी, प्रो. एससी सती, प्रो. गुड्डी बिष्ट, डा. सूरज पंवार, डा. सुधीर जोशी आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

मेधावी छात्रों का किया सम्मान

श्रीनगर गढ़वाल : सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था भागीरथी कला संगम ने बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को मेधावी छात्र पुरस्कार सम्मान 2025 से सम्मानित किया। सोमवार को जयदयाल सरस्वती संस्कृत विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि उप जिला संयुक्त चिकित्सालय के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. विमल गुसांई ने सभी छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि वर्तमान का युवा हमारे देश का भविष्य है। उन्होंने छात्रों को लक्ष्य हासिल करने के लिए कार्य में पूर्ण रूप से समर्पित होने के लिए प्रेरित किया।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/II/मुरादाबाद द्वारा ई टेन्डर निम्न टेन्डर संख्या के अर्न्तगत आमंत्रित किये जाते हैं। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदा दाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वैबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या दिनांक: 42-DRM-MB-25-26 Date 26.05.2025, कार्य का नाम: Dewatering of LHS (Limited Height subway) in ON-BLM, RAC-SPC & BLM-SPC section of SSE/W/BLM and SSE/W/SPC under ADEN/II/HRI. **टेन्डर क्लोसिंग दिनांक/समय:** 19.06.2025 16:00, **अनुमानित लागत:** 54,99,991.22 **धरोहर राशि:** 1,10,000.00 **टेन्डर फार्म की लागत:** 0.00 **बिडिंग स्टार्ट तिथि:** 05.06.2025 **आफर की वैधता:** 60 दिन **कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 06 माह

टेन्डर संख्या दिनांक: 47-DRM-MB-25-26 Date 26.05.2025, कार्य का नाम: Lubrication of curves using contractor's own track based rail Gauge Face Lubricator (Electronic type)-26 nos. **टेन्डर क्लोसिंग दिनांक/समय:** 24.06.2025 16:00, **अनुमानित लागत:** 4,18,08,452.40 **धरोहर राशि:** 3,59,100.00 **टेन्डर फार्म की लागत:** 10,000.00 **बिडिंग स्टार्ट तिथि:** 10.06.2025 **आफर की वैधता:** 90 दिन **कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 60 माह

नं. 74-W/2/3/WA/Publication दिनांक: 26.05.2025 **1543/2025**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संक्षिप्त समाचार

दुष्कर्म कर वीडियो वायरल करने का आरोपी धरा

रुद्रपुर। महिला के घर में घुसकर जबरन दुष्कर्म करने और वीडियो बनाकर वायरल करने के ममाले में पुलिस ने आरोपी को रविवार को चंदौसी, संभल से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी से घटना में प्रयुक्त मोबाइल बरामद कर उसे कोर्ट में पेश किया, कोर्ट ने उसे जेल भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक 20 मई को एक महिला ने पुलिस को तहरीर दी। बताया कि 18 मई को पति घर पर नहीं थे। उस रात ग्राम रम्पुरा उझैनिया थाना जहानाबाद पीलीभीत यूपी निवासी दीनदयाल पुत्र नेतराम जबरन उसके घर में घुस गया। आरोप लगाया कि इसके बाद उसने दुष्कर्म किया और घटना का वीडियो बनाकर अपनी आईडी से वीडियो वायरल कर दिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने बताया कि आरोपी पुलिस से बचने के लिए अपनी जगह बदल रहा था। सर्विलांस से रविवार रात को आरोपी दीनदयाल को संभल के चंदौसी कस्बे से गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी से घटना में प्रयुक्त मोबाइल बरामद किया है। एसएसपी ने बताया कि आरोपी ट्रांजिट कैंप में किराये पर रहता था और सिडकुल की एक कंपनी में ट्रक चालक है। 27 आरडीपी 50 पी पुलिस गिरफ्त में महिला के यौन उत्पीड़न और अश्लील वीडियो वायरल करने का आरोपी।

बिजली कर्मियों के वेतन से न हो कोई रिकवरी

देहरादून। ऊर्जा कामगार संगठन ने सोमवार को मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन से सचिवालय में मुलाकात की। सातवें वेतनमान में वेतन निर्धारण में रिकवरी समाप्त कर पे प्रोटेक्शन का लाभ देने की मांग की। संगठन अध्यक्ष सूर्यप्रकाश पुरोहित ने कहा कि सातवें वेतनमान को लागू करने के बाद ऊर्जा निगम में कई संवर्ग से वेतन रिकवरी की जा रही है। कर्मचारियों का वेतन बढ़ने की बजाय कम हो गया है। ऐसे में तत्काल वेतन रिकवरी रोक कर कर्मचारियों को राहत दी जाए। कर्मचारियों को प्रे प्रोटेक्शन का लाभ दिया जाए। उपनल, एसएचजी कर्मचारियों को समान काम का समान वेतन दिया जाए। हाईकोर्ट के आदेश अनुसार उनके नियमितीकरण की दिशा में ठोस कदम उठाया जाए। महामंत्री सोहन शर्मा ने कहा कि चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को तीसरी एसीपी का लाभ दिया जाए। 2005 तक नियुक्त सभी कर्मचारियों को ऊर्जा के तीनों निगमों में पुरानी पेंशन का लाभ सुनिश्चित किया जाए। कामगार संगठन ने मुख्य सचिव को तीनों ऊर्जा निगमों के अध्यक्ष का कार्यभार संभालने की भी बधाई दी।

कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने ट्रेड लाइसेंस शुल्क का किया विरोध

देहरादून। कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने सोमवार को नगर निगम में मेयर सौरभ थपलियाल से मुलाकात की। इस दौरान सभी ने प्रस्तावित ट्रेड लाइसेंस शुल्क का विरोध किया। कांग्रेस पार्टी के पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचंद शर्मा ने कहा कि शहर में विभिन्न व्यवसायिक प्रतिष्ठानों पर नगर निगम ट्रेड शुल्क लगाने जा रहा है। लेकिन दरें काफी ज्यादा हैं। उन्होंने कहा कि पहले ही व्यापारियों पर कई तरह के कर लगे हैं। निगम हाउस टैक्स, सफाई यूजर चार्ज भी ले रहा है। उन्होंने कहा कि नगर निगम यूपी के एक्ट के तहत उपविधि तैयार कर ट्रेड लाइसेंस शुल्क लेने की तैयारी कर रहा है। जबकि उत्तराखंड का अपना नगर निकाय एक्ट ही नहीं है। कार्यकर्ताओं ने कहा कि दून शहर में कई कंपनियों ने ऑनलाइन कारोबार को बढ़ावा देकर स्थानीय व्यापारियों का काम सीमित कर दिया है। ऐसे यदि नगर निगम ने लाइसेंस शुल्क की प्रस्तावित दरें लागू की तो इससे व्यापारियों को व्यापार करने में दिक्कतें आएंगी।

ब्लॉक मुख्यालय चिन्यालीसौड़ अन्यत्र शिफ्ट न किया जाए

उत्तरकाशी। ब्लॉक मुख्यालय चिन्यालीसौड़ को अन्यत्र स्थानांतरित न किए जाने की मांग को लेकर सोमवार को विकासखंड मुख्यालय संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने विकासखंड कार्यालय चिन्यालीसौड़ के मध्य क्षेत्र में ही स्थापित करने की मांग की, ताकि जनसुविधा और क्षेत्रीय संतुलन बना रहे।

समिति ने चिन्यालीसौड़ नगर क्षेत्र में ही ब्लॉक मुख्यालय भवन के लिए सुविधाजनक स्थानों के सुझाव भी जिलाधिकारी को दिए। समिति के पदाधिकारियों का कहना है कि चिन्यालीसौड़ भौगोलिक दृष्टि से विकासखंड का केंद्र बिंदु है और यहां मुख्यालय की स्थापना से आम जनता को सुगमता होगी। समिति ने प्रशासन से शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने की अपेक्षा जताई है ताकि क्षेत्र में विकास कार्यों में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो।

मौन पालन काश्तकारों की आर्थिकी का बन रहा मजबूत आधार

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य में मौन पालन काश्तकारों की आर्थिकी का मजबूत आधार बनने लगा है। मौन पालन कर काश्तकार कम लागत में अपनी आय बढ़ा रहे है। चमोली जिले में सरकार की ओर से संचालित मौन पालन योजना के तहत 505 काश्तकार मधुमक्खी पालन कर शहद का उत्पादन कर रहे हैं।

उद्यान विभाग के पीडीओ चमोली योगेश भट्ट ने बताया कि राज्य सरकार की ओर से काश्तकारों की आय बढ़ाने की मंशा से मौन पालन योजना का संचालन किया जा रहा है। जिसके तहत सरकार की ओर से 40 प्रतिशत राजकीय सहायता पर मौन कॉलोनी (बॉक्स) उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसके साथ ही योजना में आवेदन करने वाले काश्तकारों को मधुमक्खी पालन का सात दिवसीय प्रशिक्षण देने के साथ ही 1050 रुपए की प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की जा रही है। बताया कि उद्यान विभाग की ओर से चमोली जनपद के 505 काश्तकारों के साथ मौन पालन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि काश्तकार मधुमक्खी पालन कर वर्तमान में करीब 249.48 कुंतल शहद का उत्पादन कर रहे हैं। जिसका काश्तकार 1200 रुपए प्रति किलोग्राम की दर से विपणन कर अच्छी आय अर्जित कर रहे हैं।

क्या कहते हैं काश्तकार

गोपेश्वर निवासी रोहितास पुरोहित का कहना है कि वर्ष 2023 में एक मौन कॉलोनी (बॉक्स) के साथ काम शुरु किया था। जिसके बाद उद्यान विभाग की ओर से मिले प्रशिक्षण के साथ वर्तमान में 25 मौन कॉलोनियों (बॉक्स) के साथ काम कर रहा हूं। बताया कि मौन पालन कम मेहनत में बेहतर आय देने वाला कार्य है। साथ ही इसे व्यवसायिक स्तर पर करने पर विपणन की भी कोई परेशानी नहीं है। कहा कि खुले बाजार में शहद 1200 रुपए प्रति किलोग्राम की कीमत पर आसानी से बिक रहा है। बैरागना गांव निवासी वीरेंद्र सिंह और टंगसा गांव निवासी प्रमेंद्र सिंह का कहना है कि मधुमक्खी पालन के लिए प्रशिक्षण के बाद स्वयं देखरेख कर अच्छा उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। जिसे युवा घर पर ही अच्छी आय प्राप्त कर सकते हैं।

ग्रामीणों ने डामरीकरण पर उठाएं सवाल, जिला मुख्यालय में किया प्रदर्शन

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : कल्जीखाल ब्लॉक की पट्टी असवालस्यूं में आने वाले बौंसाल-भेंटी-कल्जीखाल और पीपला-टेका सड़क पर चल रहे डामरीकरण पर सवाल उठाते हुए स्थानीय लोगों और जनप्रतिनिधियों ने सोमवार को कलक्ट्रेट में प्रदर्शन किया। ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों का आरोप है कि डामरीकरण पूरा होने से पहले उखड़ने लगा है। कहा कि सड़कों पर जो डामरीकरण किया जा रहा है उसकी गुणवत्ता ठीक नहीं है। जिसके कारण सड़कों से डामर उखड़ने लगा है। इससे साफ है कि सड़कों के डामरीकरण में जो सामग्री प्रयोग में लाई जा रही वह घटिया है।

अपर जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री और लोनिवि मंत्री को भी ज्ञापन भेजते हुए ग्रामीणों ने डामरीकरण की जांच करवाते हुए विभाग और संबंधित ठेकेदार के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की।

सोमवार को कलक्ट्रेट में एकत्र हुए असवालस्यूं क्षेत्र के ग्रामीणों ने जमकर प्रदर्शन किया। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि घटिया निर्माण को देखते हुए विवश होकर ग्रामीणों को आंदोलन करना पड़ रहा है। इसके साथ ही क्षेत्र की थैर, रिठोली और मलाऊ पेयजल योजनाएं भी सड़क निर्माण के कारण जगह-जगह टूट गई है। सड़क निर्माण के मलबे ने उरमोला, मिरचौड़ा, थैर, गोविंदपुर, सिरालगांव, भेंटी और नगर आदि गांवों के लिए जाने वाले पैदल रास्तों को भी क्षतिग्रस्त कर दिया है। ग्रामीणों ने मांग की कि दोनों सड़कों के डामरीकरण की जांच की जाए और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई अमल में लाई जाए। इसके साथ ही सीएम और लोनिवि मंत्री को भेजे ज्ञापनों में ग्रामीणों ने मुख्य गदेरों पर पुलियों का निर्माण करवाएं जाने, बंद पड़े कलमटों को खुलवाने, सड़क चौड़ीकरण के दौरान क्षतिग्रस्त पैदल मार्ग व पेयजल लाइन योजनाओं को ठीक किए जाने की भी मांग रखी है।

प्रदर्शन और ज्ञापन देने वालों में जिला पंचायत के सदस्य संजय डबराल, बीडीसी सदस्य विवेक नेगी, पूर्व जिला पंचायत सदस्य त्रिभुवन उनियाल, पूर्व ज्येष्ठ प्रमुख कल्जीखाल अनिल सिंह, योगम्बर सिंह, अनिता देवी, मंदीप कुमार, कमलेश, रघुनाथ सिंह, लक्ष्मण सिंह, सुनील भंडारी, मदन सिंह, सुमन देवी, रंजनी खरक्वाल आदि शामिल रहे।

कृषि सखियों को प्राकृतिक खेती का दिया जा रहा प्रशिक्षण

विकासनगर। राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के तहत कृषि विज्ञान केंद्र ढकरानी में बीते शुक्रवार से कृषि सखियों के लिए छह दिवसीय प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण में कृषि वैज्ञानिकों की ओर से उन्हें बेहतर खेती करने के लिए दक्ष किया जा रहा है। ये सखियां अपने-अपने चयनित क्लस्टर में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए प्रचार-प्रसार की प्रेरणास्रोत बनेंगी। प्रशिक्षण के पांचवें दिन सोमवार को मुख्य कृषि अधिकारी देवेंद्र सिंह ने बताया कि शासन द्वारा कृषि में टिकाऊपन, किसान आत्मनिर्भरता, सेहत एवं पर्यावरणीय प्रबंधन को ध्यान में रखते हुए जनजागरूकता और कृषि व कृषक कल्याण के लिए कृषि सखियों के योगदान को बहुमूल्य समझा गया है। अब यह प्रशिक्षित कृषि सखियां किसानों के साथ मिलकर कृषि एवं मानव जगत के लिए अपना अमूल्य योगदान देंगी। कृषि विज्ञान केंद्र ढकरानी के प्रभारी वैज्ञानिक डॉ. एके शर्मा ने कहा कि कृषि सखियों के रूप में महिला किसानों को प्राकृतिक खेती की पद्धति से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भरता, पोषणयुक्त आहार और पर्यावरण सुरक्षा की दिशा में सशक्त करने के लिए यह एक सराहनीय कदम है। विषय वस्तु विशेषज्ञ संदीप कुमार ने कहा कि कृषि सखियां केवल खेतों की कार्यकर्ता नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन की वाहक बन सकती हैं, जब वे प्राकृतिक खेती के विज्ञान को समुदाय तक पहुंचाती हैं। बताया कि खेती की यह विधि एक टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल खेती करने की पद्धति है। कहा, प्राकृतिक खेती रासायनिक खेती का विकल्प है।

फार्मासिस्टों में उठाई अस्पतालों में तैनाती मानक बदलने की मांग

देहरादून। डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन ने उत्तराखंड के सरकारी अस्पतालों में फार्मासिस्टों की तैनाती के मानक बदल कर पद बढ़ाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि जिला अस्पतालों में पचास मरीजों पर एक फार्मासिस्ट तो प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में कम से कम तीन फार्मासिस्टों की तैनाती अनिवार्य की जाए। डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन की प्रदेश अध्यक्ष सुधा कुकरेती और महामंत्री डॉ सतीश चंद्र पांडेय ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और स्वास्थ्य मंत्री डॉ धन सिंह रावत को ज्ञापन भेजकर फार्मेसी संवर्ग में फार्मासिस्ट तैनाती के मानकों में बदलाव की मांग की। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड विषम भौगोलिक परिस्थिति वाला पर्वतीय प्रदेश है और राज्य में बहुत बड़े क्षेत्रफल में एक अस्पताल की स्थापना की गई है। ऐसे में इन अस्पतालों में फार्मासिस्ट की तैनाती अधिक होनी चाहिए ताकि मरीजों को बेहतर इलाज मिल सके। उन्होंने मांग की कि जिला अस्पताल में पचास बेड पर एक फार्मासिस्ट की तैनाती अनिवार्य रूप से की जाए। इसके साथ ही सब सेंटर पर एक जबकि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में अनिवार्य रूप से तीन फार्मासिस्ट तैनात किए जाएं।

यात्रा मार्ग पर यात्रियों को मिल रहे निःशुल्क डिस्पोजल बैग

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : केदारनाथ धाम की पवित्र यात्रा इन दिनों सफलतापूर्वक संचालित हो रही है। श्रद्धालुओं में भारी उत्साह और आस्था का वातावरण बना हुआ है। अब तक पांच लाख से अधिक तीर्थ यात्री बाबा केदारनाथ के दर्शन कर चुके हैं। श्रद्धा, विश्वास और आस्था से परिपूर्ण यह यात्रा प्रदेश के लिए एक गौरव का विषय बन चुकी है।

इस यात्रा को सफल एवं सुगम बनाने में जिला प्रशासन की भूमिका अत्यंत सराहनीय रही है। प्रशासन ने यात्रा मार्ग में आने-जाने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा का विशेष ध्यान रखा है। स्वास्थ्य सेवाओं से लेकर पेयजल, विश्राम, शौचालय और सुरक्षा की दृष्टि से व्यापक इंतजाम किए गए हैं। पुलिस बल, एसडीआरएफ और राहत दल लगातार तैनात हैं, ताकि किसी भी स्थिति से तत्काल निपटा जा सके। स्वच्छता को

लेकर भी जिला प्रशासन और जिला पंचायत गंभीरता से कार्य कर रही है। यात्रा मार्ग और धाम क्षेत्र को स्वच्छ और कचरा मुक्त बनाए रखने के लिए कूड़े के उचित निस्तारण की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। इस क्रम में जिला पंचायत और अर्थ एवं सांख्यिकी विभाग द्वारा संयुक्त रूप से एक विशेष पहल शुरू की गई है, जिसके अंतर्गत तीर्थ यात्रियों को निःशुल्क डिस्पोजल बैग वितरित किए जा रहे हैं। इन बैगों के माध्यम से श्रद्धालु अपने साथ उत्पन्न कचरे को सहज रूप से संग्रहित कर निर्धारित स्थलों पर रख सकते हैं, जिससे क्षेत्र की स्वच्छता बनी रहे। इस पहल से तीर्थ यात्रियों को भी सुविधा मिल रही है और वे जागरूक होकर स्वच्छता अभियान में योगदान दे रहे हैं। कूड़े के इन बैगों के निस्तारण के लिए विभिन्न स्थानों का चयन किया गया है, जिनमें जवाड़ी बाइपास, हाईटेक शौचालय तिलवाड़ा, हाईटेक शौचालय अगस्त्यमुनि, गुप्तकाशी, रायवाला बेंड और सांकरी प्रमुख हैं। इन स्थानों पर डिस्पोजल बैग आसानी से एकत्र किए जा सकते हैं, जिससे कचरा निस्तारण की प्रक्रिया व्यवस्थित बनी रहे। इस अभियान को धरातल पर उतारने के लिए अर्थ एवं सांख्यिकी विभाग के अधिकारी संदीप भट्ट और जिला पंचायत अधिकारी प्रेम सिंह रावत स्वयं सक्रिय रूप से लगे हुए हैं। दोनों अधिकारियों ने जवाड़ी बाइपास सहित अन्य चिन्हित स्थानों पर यात्रियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए डिस्पोजल बैग वितरित किए।

किच्छा: आश्वासन पर भाजपा नेता ने समाप्त किया धरना

रुद्रपुर। भाजपा ओबासी मोर्चा के जिलाध्यक्ष श्रीकांत राठौर ने एसपी सिटी उत्तम सिंह नेगी के आश्वासन के बाद कोतवाली गेट पर धरना-प्रदर्शन समाप्त कर दिया है। राठौर कोतवाल धीरेन्द्र कुमार के ट्रांसफर और आरोपियों को गिरफ्तारी की मांग को लेकर रविवार रात से धरने पर बैठे थे। रविवार रात वार्ड 11 में कुछ युवकों ने भाजपा नेता श्रीकांत राठौर के समर्थकों पर हमला कर दिया था। आरोपियों पर फायरिंग करने का भी आरोप था। इससे गुस्साए भाजपा नेता ने आरोपियों के खिलाफ संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज करने की मांग को लेकर अपने समर्थकों के साथ रात दस बजे कोतवाली परिसर में धरना दे दिया था। पुलिस ने लाठीचार्ज कर समर्थकों को कोतवाली से खदेड़ दिया था। इसके बाद माहौल गर्मा गया और भाजपा नेता ने कोतवाल के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए कोतवाली गेट पर अनिश्चितकालीन धरने का ऐलान कर दिया था। इसके बाद पुलिस सकते में आ गयी। मामला गंभीर होते देख पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ संगीन धाराओं में केस दर्ज कर लिया था। वहीं कोतवाली में पुलभट्टा और सितारगंज समेत अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई। पुलिस भाजपा नेता को मनाने के लिए मान मनौव्वल करती रही। इधर, भाजपा के मंडल अध्यक्ष गोल्डी गोराया, पूर्व मंडल अध्यक्ष मनमोहन सक्सेना, पूरन भट्ट आदि ने भी राठौर को धरने से उठाने के प्रयास किए। लेकिन कोतवाल के ट्रांसफर और आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर राठौर का धरना समर्थकों के साथ लगातार सोमवार दोपहर तक जारी रहा। इस दौरान सीओ भाजपा नेता की धरना खत्म करने के लिए मान-मनौव्वल करते रहे। राठौर ने आरोप लगाया कि कोतवाल एक नेता के इशारे पर आरोपियों को बचाने में जुटे हैं और उनके समर्थकों पर लाठीचार्ज कराने का काम किया है। सोमवार दोपहर बाद एसपी सिटी उत्तम सिंह नेगी ने धरना स्थल पर पहुंच कर भाजपा नेता को पूरे प्रकरण की जांच का आश्वासन दिया। इस दौरान सीओ सितारगंज भूपेन्द्र सिंह धौनी भी मौजूद रहे। इसके बाद भाजपा नेता और उनके समर्थकों ने धरना समाप्त कर दिया। धरनास्थल पर पूर्व मंडी सभापति कमलेन्द्र सेमवाल, दिनेश भाटिया, संजीव खन्ना, हरीश खानवानी, राजीव सक्सेना, प्रहलाद खुराना आदि मौजूद रहे। पुलिस ने किया आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज मुकेश राठौर पुत्र हेरीलाल राठौर नई सुनहरी वार्ड 11 किच्छा ने पुलिस को दी तहरीर देकर आरोप लगाया था कि 22 मई को दिनेश उर्फ दिला, चन्द्रप्रकाश पुत्र शंकर लाल, अभिषेक पुत्र मनोज रस्तोगी ने अपने साथियों के साथ उसके राठौर मेडिकल स्टोर पर आकर गाली-गलौज कर मारपीट की धमकी दी थी। आरोप है कि बीते रविवार को शाम पांच बजे आरोपियों ने उनके बहनोई राकेश राठौर के साथ मारपीट की।

हवन कर भारत के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि दी

देहरादून। शहीदों को नमन सामाजिक संस्था, श्री दुर्गा सोशल वेलफेयर सोसाइटी ने सोमवार को कचहरी स्थित शहीद स्मारक पर देश के बलिदानियों को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान हवान किया गया। आचार्य सुभाष जोशी और सचिव विद्वत सभा आचार्य विजेंद्र ममगाईं ने शहीदों की आत्मा की शांति के लिए मंत्रोच्चार करते हुए आहुति डलवाई। लोगों ने भारत के शहीद अमर रहें, उत्तराखंड के शहीद अमर रहें, उत्तराखंड जिंदाबाद, भारत माता जिंदाबाद के नारे लगाए। समिति के अध्यक्ष परवीन टीटू और सचिव मंगेश ने कहा कि शहीदों की याद में समिति की ओर से प्रत्येक वर्ष इस प्रकार का आयोजन किया जाता है। उन्होंने कहा कि देश पर कुर्बान होने का जज्बा हर व्यक्ति में हो सकता है, लेकिन जो कुर्बान हो गया वो सर्वश्रेष्ठ है।मौके पर पिछड़ा वर्ग आयोग के पूर्व अध्यक्ष अशोक वर्मा, जनकवि डा. अतुल शर्मा,अरुण शर्मा, देवेंद्र कांडपाल, राजेश प्रसाद, राजेश चमोली,अरुण सजवाण, राजेंद्र खन्ना आदि मौजूद थे।

मेजर जनरल गिल बने उत्तराखंड सब एरिया के जीओसी

देहरादून। मेजर जनरल एमपीएस गिल ने सोमवार को उत्तराखंड सब एरिया के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) का चार्ज संभाला। उन्होंने मेजर जनरल आर प्रेम राज की जगह यह तैनाती ली। चार्ज संभालते ही मेजर जनरल गिल ने शौर्य स्थल पर वीर सपूतों को पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मेजर जनरल गिल आरआईएमसी, एनडीए और आईएमए देहरादून के पूर्व छात्र रहे हैं। उन्हें 16 दिसंबर 1989 को 18 मैकेनाइज्ड इन्फेंट्री में कमीशन मिला। उन्होंने पश्चिमी सीमा पर एक मैकेनाइज्ड इन्फेंट्री बटालियन और एक बख्तरबंद ब्रिगेड का नेतृत्व किया है। वह सैन्य संचालन निदेशालय, नई दिल्ली में निदेशक, मुख्यालय आर्मी ट्रैनिंग कमांड में ब्रिगेडियर जनरल स्टाफ, एक स्ट्राइक कोर के चीफ ऑफ स्टाफ और थलसेना प्रमुख सचिवालय में एडिशनल डायरेक्टर जनरल (विजिलेंस) जैसे विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवाएं दी हैं। इसके अलावा इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ मुख्यालय में परसेप्शन मैनेजमेंट निदेशालय की स्थापना में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उत्कृष्ट सेवा के लिए मेजर जनरल गिल को विशिष्ट सेवा मेडल, उप सेनाध्यक्ष प्रशस्ति पत्र और जीओसी-इन-सी (आर्मी ट्रेनिंग कमांड) प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया जा चुका है। उत्तराखंड सब एरिया की कमान संभालने पर मेजर जनरल गिल ने कहा कि उनका मुख्य फोकस सैन्य क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों के समावेश, आत्मनिर्भर भारत की दिशा में योगदान, पूर्व सैनिकों और वीर नारियों के कल्याण और राज्य प्रशासन के साथ समन्वय को और अधिक सुदृढ़ करने पर रहेगा।

उत्तराखंड सेवानिवृत्त कार्मिक समन्वय समिति का गठन

देहरादून। उत्तराखंड में पेंशनर्स की समस्याओं के समाधान को दबाव बनाने को उत्तराखंड सेवानिवृत्त कार्मिक समन्वय समिति का गठन किया गया है। एसएस वल्दिया को समिति में मुख्य संयोजक बनाया गया। यमुना कालोनी संकल्प भवन में हुई बैठक में समन्वय समिति का गठन हुआ। सेवानिवृत्त डिप्लोमा इंजीनियर्स फोरम के अध्यक्ष वीएस रांगड़ की अध्यक्षता में हुई बैठक का संचालन हरीश चंद्र नौटियाल ने किया।

चीफ सेक्रेटरी गुजरात जेपी गुप्ता जी का परमार्थ निकेतन में आगमन

ऋषिकेश। परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश में आज गुजरात राज्य के माननीय चीफ सेक्रेटरी जेपी गुप्ता जी का सपरिवार आगमन हुआ। इस अवसर पर उन्होंने परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष, स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी से भेंट कर विभिन्न समसामयिक, सामाजिक व पर्यावरणीय विषयों पर विस्तृत चर्चा की।

स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने गुप्ता जी को गंगा तट पर आयोजित दिव्य आरती में आमंत्रित करते हुये कहा कि आज भारत को ऐसे समर्पित और दूरदर्शी प्रशासकों की आवश्यकता है, जो आध्यात्मिक मूल्यों और सतत विकास को साथ लेकर आगे बढ सकें।

इस भेंट के दौरान नदियों के संरक्षण, स्वच्छता अभियान, सतत विकास, जल

स्रोतों के पुनर्जीवन, हरित भारत अभियान, पर्यावरणीय चेतना और युवाओं में नैतिक मूल्यों के संवर्धन जैसे विषयों पर सार्थक संवाद हुआ।

स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि आज आवश्यकता है कि शासन और साधना साथ मिलकर राष्ट्र सेवा करें। उन्होंने कहा कि धार्मिक संस्थाओं और प्रशासनिक तंत्र के सहयोग से जल, जंगल और जीवन की रक्षा की दिशा में प्रभावी कदम उठाए जा सकते हैं। जल और जंगल हमारे जीवन के मूल हैं।

प्रदेश युवा कार्यकर्ता सम्मेलन को लेकर बैठक का आयोजन

देहरादून। हरिद्वार में 22 जून को होने वाले युवा सम्मेलन की तैयारी को लेकर सोमवार को भारतीय मजदूर संघ के प्रांतीय कार्यालय कांवली रोड में बैठक का आयोजन किया गया। सम्मेलन में मुख्यमन्त्री मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग करेंगे। बैठक की अध्यक्षता करते हुए प्रदेश महामंत्री सुमित सिंघल, प्रदेश उपाध्यक्ष भारतीय मजदूर संघ एवं प्रदेश संयोजक राष्ट्रीय राज्य कर्मचारी संघ अजय कान्त शर्मा ने बताया कि प्रदेश युवा कार्यकर्ता सम्मेलन में जनपद देहरादून से अधिक से अधिक सदस्य और कर्मचारी प्रतिभाग करेंगे। अखिल भारतीय मजदूर संगठन सम्पूर्ण देश के 18 राज्यों संगठित होकर कार्य कर रहा है। राज्य कर्मचारी महासंघ की प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष मीना रावत ने दून जिले के समस्त पदधिकारियों एव कार्यकारिणी सदस्यों को युवा कार्यकर्ता सम्मेलन को सफल बनाने का आह्वान किया। यह सम्मेलन भारतीय मजदूर संघ के 70 वें वर्ष के उपलक्ष में आयोजित किया जा रहा है।

उत्तराखंड की ऊन को हर्बल ऊन के नाम से मिलेगी पहचान : सेमवाल

उत्तरकाशी। उत्तराखंड हथकरघा एवं हस्तशिल्प विकास परिषद के उपाध्यक्ष वीरेंद्र दत्त सेमवाल ने सोमवार को सीमांत गांव बगोरी में भेड़ पालकों से संवाद किया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की ऊन को हर्बल ऊन के नाम से दुनिया में पहचान दिलाने का प्रयास किया जाएगा। हथकरघा एवं हस्तशिल्प हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ बनेगी। सोमवार को राज्यमंत्री वीरेंद्र दत्त सेमवाल ने उत्तरकाशी के सीमांत गांव बगोरी (हर्षिल घाटी) में एक जन संवाद कार्यक्रम आयोजित किया। जिला उद्योग केंद्र उत्तरकाशी के सहयोग से आयोजित इस संवाद में भेड़-बकरी पालकों, स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों और विभागीय टीमों के साथ गहन चर्चा की गई। सेमवाल ने कहा कि उनका सपना है कि मुख्यमंत्री धामी की अगुवाई में उत्तराखंड की ऊन को हर्बल ऊन के नाम से दुनिया में पहचान दिलाई जाए। यहां की भेड़-बकरियां शुद्ध रूप से प्राकृतिक जड़ी-बूटियां खाती हैं। हिमालयी ऊन में आत्मिक और औषधीय स्पर्श है, जिसे वैश्विक स्तर पर ले जाना हमारी प्राथमिकता है।

उन्होंने कहा कि जहां वैश्विक बाजार अब ह्यसस्टेनेबल फैशन और इको-फ्रेंडली उत्पादों की ओर झुकाव दिख रहा है, वहीं उत्तराखंड की यह हर्बल ऊन एक अद्भुत नवाचार के रूप में उभर सकती है।

कुमाऊँ मंडल में सांस्कृतिक दलों के पंजीकरण प्रक्रिया की हुई शुरुआत

हल्द्वानी। सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग द्वारा राज्य सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं एवं नीतियों का विभागीय गीत नाट्य योजना के तहत पंजीकृत सांस्कृतिक दलों के माध्यम से प्रचार प्रसार किया जाता है। इसके तहत गढ़वाल मंडल के अंतर्गत आने वाले जनपदों का ऑडिशन सूचना भवन देहरादून में विगत 13 मई से 20 मई तक संपन्न हुआ।

सोमवार से कुमांऊमंडल के अंतर्गत आने वाले जनपदों का ऑडिशन हल्द्वानी एमबीपीजी कॉलेज में प्रारम्भ हो गया है जो 30 मई, 2025 को संपन्न होगा।

इस अवसर पर सूचना एवं लोक संपर्क विभाग देहरादून से आए संयुक्त निदेशक के एस चौहान ने कहा कि सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग राज्य

सरकार की योजनाओं उपलब्धियों का प्रचार प्रसार विभिन्न माध्यमों से करता है। राज्य की भौगोलिक परिस्थितियों के अनुरूप विभागीय गीत एवं नाटय योजना अंतर्गत विभाग में पंजीकृत इन सास्कृतिक दलों के माध्यम से सरकार की योजनाओं, नीतियों, निर्णयों एवं उपलब्धियों को आम जनता तक आसानी से पंहुचाने हेतु सुदूरवर्ती क्षेत्रों में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाते हैं। इस योजना से एक ओर राज्य की अपनी लोक संस्कृति को सहेजने और संजोने का कार्य हो रहा है। वहीं स्थानीय प्रतिभाओं को आगे आने का भी अवसर मिल रहा है साथ ही उन्हें रोजगार भी मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि राज्य स्तर पर पंजीकृत लोक गीत, लोक नृत्य, कठपुतली, कब्बाली, भजन, नाटक, नुक्कड़ नाटय दलों के पंजीकरण से शासन की नीतियों निर्णयों और उपलब्धियों के प्रचार-प्रसार का कार्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से किये जाने के साथ ही युवाओं को भी इससे अपनी लोक संस्कृति से जुड़ने का अवसर मिलता है।

सांस्कृतिक दलों की चयन प्रक्रिया में संस्कृति के क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं वरिष्ठ संस्कृति व रंग कर्मी अनिल घिल्डियाल घनश्याम भट्ट, केन्द्रीय संचार ब्यूरो से श्रद्धा गुरुरानी, भारतखंडे अल्मोड़ा से सुनील कुमार एवं सूचना अधिकारी हल्द्वानी मीडिया सेंटर प्रियंका जोशी शामिल है।

मंगलवार 27 मई को पिथौरागढ़ एवं चम्पावत जिले के दलों का, 28 मई को बागेश्वर, 29 मई को अल्मोड़ा तथा 30 मई को नैनीताल जिले के सास्कृतिक दलों का ऑडीशन होगा। इस मौके पर जिला सूचना अधिकारी नैनीताल गिरिजा जोशी, उधम सिंह नगर गोविन्द बिष्ट, व्यवस्था अधिकारी सूचना विभाग रामपाल सिंह रावत सहित विभाग के अन्य अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
—सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382-222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com